वर्ष : 33 अंक : 238 पृष्ठ : 8 मुंबई, गुरुवार, 14 नवंबर 2024 RNI: MAHHIN/49994/91 मूल्य : 3 रुपए epaper.dobajedopahar.com संपादक : अरुण लाल

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD दो बजे दोपहर

अनुच्छेद 370 किसी भी हाल में बहाल नहीं होगा : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने धुले और जलगांव में चुनावी रैली को किया संबोधित

धुले/जलगांव। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए धुले और जलगांव में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर तुष्टिकरण करने और आरक्षण को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को कभी बहाल नहीं किया जाएगा, चाहे कुछ भी हो जाए।

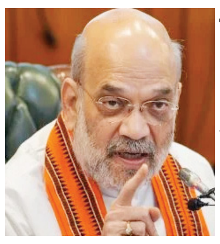

शाह ने एमवीए को औरंगजेब फैन क्लब करार दिया

धुले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) को औरंगजेब फैन क्लब करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत महायुति गठबंधन शिवाजी महाराज और वीर सावरकर के आदर्शों पर चलता है। ये आघाडी केवल तुष्टिकरण करना चाहती है और उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए बाला साहब ठाकरे के सिद्धांत को भूल कर बैठे हैं। शाह ने कहा कि उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं जिन्होंने औरंगाबाद का नाम संभाजी नगर करने का विरोध किया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, तीन तलाक हटाने का विरोध किया, अनुच्छेद-370 हटाने का विरोध किया, सर्जिकल स्ट्राइक का विरोध किया। आप हिंदुओं को आतंकवादी कहने वालों के साथ बैठे हो।

'डंके की चोट पर वक्फ कानून में संशोधन करेंगे'

शाह ने कहा कि महायुति का मतलब विकास और एमवीए का मतलब विनाश है। जनता को तय करना है कि वे विकास करने वालों को सत्ता में लाना चाहते हैं या विनाश करने वालों को। केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने संबोधन में वक्फ कानून का भी उल्लेख किया और कहा कि इस देश में लोग इससे परेशान हैं। उन्होंने कर्नाटक में कुछ मंदिर, किसानों की भूमि व लोगों के घरों को कथित तौर पर वक्फ की संपत्ति बताए जाने का जिक्र करते हुए कहा, हम वक्फ कानून में संशोधन का विधेयक लाए हैं लेकिन राहुल गांधी और पवार साहब (शरद पवार) इसका विरोध कर रहे हैं। मैं कहता हूं, डंके की चोट पर प्रधानमंत्री मोदी वक्फ कानून में संशोधन करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस को किसी भी हाल में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण काटकर मुसलमानों को देने नहीं देंगे। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए शाह ने कहा कि कोई भी जम्मू-कश्मीर में अब अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर सकता।

...तो कांग्रेस के लिए एटीएम बन जाएगा महाराष्ट्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जलगांव जिले के चालीसगांव में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर एमवीए 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीत जाता है तो राज्य कांग्रेस के लिए एटीएम बन जाएगा। शाह ने कहा, वे (एमवीए) राज्य के संसाधनों का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र से पैसा बटोरेंगे और पैसा दिल्ली भेज देंगे। उन्होंने कहा, वहीं, अगर भाजपा नीत महायुति सरकार बनती है तो मोदी प्रशासन महाराष्ट्र के लिए वृहद विकास सुनिश्चित करेगा। शाह ने कांग्रेस पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र की पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण 10 साल तक नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। वरिष्ठ नेता शरद पवार पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि पवार कई वर्षों तक मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहे लेकिन मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए कुछ नहीं किया।

जांच पर गरमाई सियासत

महाराष्ट्र-गोवा सीमा पर जांच के लिए उद्धव ठाकरे के काफिले को रोका

धीरज सिंह । मुंबई

शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के काफिले को बुधवार को सिंधुदुर्ग जिले में महाराष्ट्र-गोवा सीमा पर एक जांच चौकी पर रोका गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले ही महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे के बैग की यवतमाल जिले में एक चुनावी रैली से पहले चुनाव अधिकारियों द्वारा जांच की गई थी। इसके बाद ठाकरे ने कुछ चुनिंदा लोगों को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया था। बुधवार को ठाकरे और उनके बेटे तेजस तटीय कोंकण क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए गए थे। तस्वीरों में दिख रहा है कि गोवा से महाराष्ट्र में प्रवेश करते समय ठाकरे के काफिले को इंशुली जांच चौकी पर रोका गया, जिससे वह नाराज हो गए। जांच कर्मियों को जब पता चला कि ठाकरे एक कार में सवार हैं तो उन्होंने काफिले को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी। इसके बाद ठाकरे चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए सिंधुदुर्ग जिले के सावंतवाड़ी की ओर रवाना हुए।

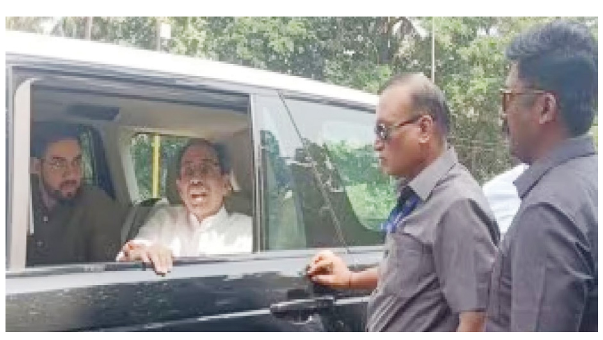

सीएम एकनाथ शिंदे के हेलिपैड की चेकिंग

इस सप्ताह की शुरुआत में ठाकरे के बैग की तलाशी चुनाव अधिकारियों ने उस समय ली थी, जब उनका हेलीकॉप्टर पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक रैली के लिए हेलीपैड पर उतरा था। ठाकरे ने बैग की तलाशी का वीडियो रिकॉर्ड किया था और चुनाव प्रचार के दौरान अधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामान की जांच करने की चुनौती दी थी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस तथा अजित पवार के बैग की तलाशी के अलग-अलग वीडियो भी सामने आए हैं।

शिंदे बोले-कपड़े हैं, यूरिन पॉट नहीं

महाराष्ट्र के पालघर में कोलगांव हैलिपेड पर बुधवार को इलेक्शन कमीशन के अधिकारियों ने सीएम एकनाथ शिंदे के सामान की चेकिंग की। अधिकारियों ने शिंदे के बैग, ब्रीफकेस और दूसरे सामान को जांचा। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। शिंदे ने अधिकारी से कहा- कपड़े हैं.. अधिकारी ने हां में सिर हिलाया। इसके बाद शिंदे ने कहा- कपड़े हैं, यूरिन पॉट बगैरह नहीं है। शिंदे का यह कमेंट उद्धव के बयान पर तंज माना जा रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाया बुलडोजर पर ब्रेक

नई दिल्ली। 'घर सबका सपना होता है, ये बरसों का संघर्ष है और सम्मान की निशानी। अगर घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। अफसर खुद जज नहीं बन सकते।' बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुनाते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह कमेंट किया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने बुलडोजर एक्शन पर पूरे देश के लिए 15 गाइडलाइन जारी कीं। अदालत ने कहा कि अगर घर गिराने का फैसला ले लिया गया है तो 15 दिन का समय दिया जाए। घर गिराने की कार्रवाई की वीडियोग्राफी जरूरी है। अगर कोई अफसर गाइडलाइन का उल्लंघन करता है तो वो अपने खर्च पर दोबारा प्रॉपर्टी का निर्माण कराएगा और मुआवजा भी देगा। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगातार बुलडोजर एक्शन के बाद जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

'अपने पैरों पर खड़ा होना सीखो'

अजित पवार को 'सुप्रीम' नसीहत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में बंटवारे के बाद विवाद से जुड़े मामले पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट को सलाह दी। कोर्ट ने कहा कि आप (अजित पवार) अपने पैरों पर खड़ा होने का प्रयास करें और चुनाव प्रचार में शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल न करें। आपका शरद पवार गुट के साथ 'वैचारिक मतभेद' हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करें

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों से कहा कि वे अदालतों के चक्कर लगाने के बजाय महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करें। पीठ ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह से कहा कि अपनी पार्टी के पदाधिकारियों से कहिए कि वे पुराने या नए वीडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं करें या शरद पवार की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करें, जिनके साथ आपकी पार्टी के वैचारिक मतभेद हैं। आप अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश करें।'

'लोगों को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता'

इसने अजित पवार गुट से अपने नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और विधानसभा चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच एक ऑनलाइन सर्कुलर करने को कहा कि वे शरद पवार की तस्वीर या वीडियो/ऑडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं करेंगे, चाहे वह पुरानी हो या नई। शरद पवार गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पीठ ने कहा, 'भारत के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और उन्हें इस बात का अच्छी तरह से पता है कि शरद पवार और अजित पवार कौन हैं। उन्हें इतनी आसानी से मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।'

कोर्ट ने तस्वीरों के यूज पर लगाई थी रोक

अभिषेक सिंघवी ने शिकायत की थी कि अजित पवार गुट के एक विधान पार्षद ने शरद पवार का एक वीडियो क्लिप पब्लिश की है। पीठ ने कहा कि सवाल यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट का कोई आदेश होता है तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेशों का हवाला दिया जिसमें उसने अजित पवार गुट को शरद पवार गुट की तस्वीरों का इस्तेमाल करने से रोक दिया था।

बैग चेकिंग मुद्दे पर उद्धव ठाकरे पर हमलावर हुए डीसीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

बैग चेकिंग के मामले में उद्धव ठाकरे पर हमलावर होते हुए राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस बुधवार को एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बैग चेक किया तो क्या हुआ? ठाकरे के पास इतना क्रोधित होने का कोई कारण नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव अधिकारियों ने प्रचार के दौरान उनके बैग की भी जांच की, जो कि सामान्य बात थी। इस मुद्दे पर विवाद खड़ा करने को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि अब जब उनके पास सारे मुद्दे खत्म हो गए हैं, तो वे इन मुद्दों पर विवाद खड़ा कर रहे हैं।

सुलभा गणपत के लिए किया प्रचार

डीसीएम फडणवीस इस दौरान कल्याण पूर्व से महायुति उम्मीदवार सुलभा गणपत गायकवाड़ के प्रचार के लिए आयोजित चुनाव रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी की भी जमकर आलोचना की। रैली के दौरान महायुति उम्मीदवार सुलभा गायकवाड समेत सार्वजनिक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, गोवा के मंत्री सुभाष पाल देसाई, उत्तर प्रदेश के मंत्री गिरीश यादव, वरिष्ठ नेता जगन्नाथ पाटिल, रिपाई नेता अन्ना रोकड़े आदि नेता और बड़ी संख्या में महायुति के पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित थे।

जारी रहेगी लाड़ली बहिन योजना

रैली के दौरान उन्होंने लाड़ली बहिन योजना को लेकर कहा कि योजना किसी भी हाल में बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जब महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार थी तब महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्र में गिरावट आ रही थी, लेकिन हमारी सरकार आई और उद्योग निवेश में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर आ गया। उन्होंने कहा, "इस साल हम कुल निवेश का 52 फीसदी हिस्सा महाराष्ट्र में लाए। हम त्रिमूर्ति त्रिशूल हैं, वह त्रिशूल जो महाराष्ट्र को आगे ले जाता है।"

महाराष्ट्र के विकास को बताया प्राथमिकता

फड़णवीस ने यह भी कहा कि हम सभी ने विकास को केंद्र में रखने और महाराष्ट्र को देश के हर राज्य के लिए ईर्ष्या का विषय बनाने का संकल्प लिया है। बिना नाम लिए उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हुए देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि रोने वाले रोज रो रहे हैं, रोने वालों को रोने दो। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा, "हम लड़ाके हैं, रोने वालों को पीछे रहने दो, लड़ने वालों का साथ दो।" उन्होंने कहा कि दोबारा सत्ता में आने पर वे पूरे राज्य समेत कल्याण पूर्व को भी एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाने के लिए काम करेंगे।

पोते के प्रचार के लिए 40 साल बाद मैदान में उतरी प्रतिभा

अजित ने जताई नाराजगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

लोकसभा चुनाव में वरिष्ठ नेता शरद पवार ने बारामती में उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बड़ा झटका दिया था। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को सुप्रिया सुले ने भारी अंतर से हराया। इसके बाद अब बारामती विधानसभा क्षेत्र के चुनाव में अजित पवार को हराने के लिए शरद पवार मैदान में उतरे हैं। अजित पवार के खिलाफ पूरे पवार परिवार ने मुहिम शुरू कर दी है। इसी बीच, अब चाचा-भतीजे के हाईवोल्टेज मुकाबले में शरद पवार की पत्नी प्रतिभा पवार भी प्रचार में उतर गयीं है। युगेंद्र पवार के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने बारामती में कुछ जगहों का दौरा किया और युगेंद्र के लिए वोट मांगे। हालांकि, पिछले 40 साल से राजनीति से दूर रहीं प्रतिभा पवार की सक्रियता पर अजित पवार ने नाराजगी जताई है।

काकी ऐसा क्यों कर रही है, चुनाव बाद पूछुंगा - अजित पवार

प्रतिभा काकी के प्रचार में उतरने पर अजित पवार ने हैरानी और नाराजगी जताई। अजित पवार ने कहा कि प्रतिभा काकी, जो मेरे लिए मां समान है। पिछले 40 सालों में वह कभी इस तरह घर-घर नहीं गई थी। वह भी अब घर-घर जा रहे है। ऐसा कभी नहीं हुआ था। मैं इस बात से हैरान हूं। मैं सभी बच्चों में मैं प्रतिभा काकी के सबसे करीब रहा हूं। लोकसभा चुनाव में काकी प्रतिभा पवार ने बहन सुप्रिया सुले के लिए प्रचार किया। उस वक्त बहुत बुरा नहीं लगा। लेकिन, अब वह विधानसभा चुनाव में भी प्रचार कर रही है। असल में मैं ही उनके सबसे करीब हूं। उसके बावजूद काकी ऐसा क्यों कर रही है? इस बारे में चुनाव के बाद मैं उनसे पूछूंगा, ऐसा अजित पवार ने कहा। अजित पवार ने कहा कि, सुप्रिया सुले और मेरे चुनाव में इस तरह प्रतिभा काकी ने कभी प्रचार नहीं किया। उन्होंने पवार साहेब के चुनाव के लिए प्रचार किया। वो भी 1967, 1972, 1978, 1980, 1985 के चुनाव में। हमने 90 के दशक से देखना शुरू किया। तब से उन्होंने कभी प्रचार नहीं किया। आखिरी सभा में सब मौजुद रहते थे। लेकिन, ऐसा कभी घुमें नहीं थे। फिर भी ठीक है, यह लोकतंत्र है। हर किसी को अधिकार है।

10 वरिष्ठ नागरिकों और 05 दिव्यांग व्यक्तियों ने घर पर किया मतदान

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे, इसके लिए विधान सभा चुनाव में मतदान के लिए 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं को चुनाव आयोग के माध्यम से घर से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। तदनुसार, विधानसभा चुनाव अधिसूचना की घोषणा के बाद 137 भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में इच्छुक मतदाताओं ने मतदान केंद्र स्तर के अधिकारियों को फॉर्म भरे थे। तदनुसार, सभी 15 मतदाताओं ने डाक द्वारा मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें 85 वर्ष से अधिक आयु के 10 वरिष्ठ मतदाता एवं 05 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं।

महाराष्ट्र में फिर गरजे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ

योगी ने कांग्रेस पर लगाया मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर/भायंदर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराष्ट्र में महायुति की जीत के लिए प्रचार किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के लिए समर्थन मांगा। योगी ने इस दौरान विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा इकि महाअघाड़ी के पास ऐसी गाड़ी है, जिसमें स्टेयरिंग नहीं है। उस गाड़ी के टायर भी गायब हो गए हैं। ड्राइविंग सीट पर बैठने के लिए आपस में छीनाझपटी हो रही है। एमवीए को अनैतिक अनाड़ी गठबंधन बताया और कहा कि यह लोग मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पर चलकर देश की क्षति करना चाहते हैं। सीएम योगी ने कारंजा में बीजेपी कैंडिडेट

सईप्रकाश डहाके, वाशिम विधानसभा से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े, उल्हासनगर विधानसभा से बीजेपी ने कुमार उत्तम चंद आयलानी, मीरा भाईंदर से उम्मीदवार नरेंद्र लालचंद जी मेहता के साथ ओवला माजीवाड़ा से शिवसेना शिंदे गुट के प्रताप सरनाइक के लिए जनसभा संबोधित कीं।

चार पीढ़ियां नहीं लौटा पाएंगी 370

सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले पाकिस्तान भारत में घुसपैठ करता था। हम लोग कार्रवाई की मांग करते थे तो कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार कहती थी कि बोलिए मत, संबंध खराब हो जाएगा। हमने 10 वर्ष में बदलते भारत को देखा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बदलता भारत अपने सीमा की सुरक्षा करना जानता है। भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन छेड़ने वाले को छोड़ता भी नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि आतंकवाद की जड़ धारा 370 अब समाप्त हो गई। कांग्रेस फड़क रही कि इसे फिर से लागू किया जाए, लेकिन पीएम मोदी जी ने कह दिया है कि कांग्रेस की चार पीढ़ियां भी कश्मीर में धारा 370 लागू नहीं कर सकती हैं।

गुमराह नहीं होगा बंजारा समुदाय

सीएम योगी ने कहा कि बंजारा समुदाय कभी अस्तित्व के लिए जूझ रहा था, लेकिन आज उसे शासन की मुख्य धारा से जोड़ा गया है। भाजपा सरकार ने यहां के बाबू सिंह महाराज को एमएलसी बनाया है। जो देश विरोधी तत्व बंजारा समुदाय का धर्मांतरण करके उन्हें गुमराह करने का प्रयास कर रहे थे, वे अब सफल नहीं हो पाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में गरीबों के कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज, हर घर नल, पीएम आवास, आयुष्मान भारत, नौजवानों के रोजगार की योजना चलाई जा रही है। लाडली बहना योजना के माध्यम से हर महिला के खाते में हर महीने 2100 रुपये देने की व्यवस्था की गई है तो वहीं महाअघाड़ी ने कोरोना जैसी बीमारी के दौरान भी कुछ नहीं किया।

जया छेड़ा ने बॉम्बे हाई कोर्ट से वापस ली 6 याचिकाएं

गैम्बलिंग एक्ट की कार्यवाही और FIR रद्द करने की थी मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

'मटका क्वीन' जया छेड़ा ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से छह याचिकाएं वापस ले लीं. इन याचिकाओं में उन्होंने महाराष्ट्र जुआ रोकथाम अधिनियम के तहत मुंबई की एक अदालत में चल रही कानूनी कार्यवाही और FIR को रद्द करने की मांग की थी। जया ने पिछले साल हाईकोर्ट का रुख किया था। उनके अधिवक्ता तारक सैयद ने कहा कि सभी मामलों में आरोप एक जैसे ही हैं और सभी आरोपियों ने नाम एक ही सीरीज में दर्ज किए गए हैं। हालांकि, सरकारी वकील जेपी याग्निक ने गवाहों के बयान और अन्य सबूत पेश किए, जिनमें जया छेड़ा के जुआ कारोबार में संलिप्त होने का जिक्र था।

कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

जस्टिस भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की पीठ ने याग्निक की दलीलों को सुनने के बाद, छेड़ा को राहत देने से इनकार कर दिया और उन्हें ट्रायल कोर्ट में जाकर अपनी रिहाई की अर्जी देने का निर्देश दिया। बुधवार को सुनवाई के दौरान सैयद ने कहा कि उन्हें याचिकाएं वापस लेने का निर्देश मिला है, लेकिन छह मामलों ऐसा था, जिसमें पुलिस ने कहा कि छेड़ा के खिलाफ आरोपपत्र दायर नहीं किया गया है। उन्होंने अदालत का ध्यान एक अभियोजन दस्तावेज की ओर आकर्षित किया, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके। इस पर जस्टिस डांगरे ने कहा कि जब उन पर आरोप नहीं है तो उन पर आरोप नहीं है तो उन्हें इसके बारे में कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, सैयद ने कहा कि उसके खिलाफ अभी-भी मुकदमा चलाया जा रहा है और इसके लिए कार्रवाई चल रही है। वहीं, जब इस बारे में कोर्ट ने याग्निक से पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि इस मामले में छेड़ा पर आरोप लगाया गया था। लेकिन गलती ये लिख गया कि छेड़ा पर आरोप नहीं लगाया गया है। इस बयान के बाद छेड़ा ने अपनी सभी छह याचिकाएं वापस ले लीं और अब वह ट्रायल कोर्ट जाने का फैसला किया।

'छेड़ा ने दायर की थी 16 याचिकाएं'

छेड़ा ने पहले 16 याचिकाएं दायर की थीं, जिनमें 13 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022 के बीच दर्ज की गई 16 एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। इन सभी मामलों को महाराष्ट्र जुआ रोकथाम अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था। सैयद ने तर्क दिया कि इन सभी एफआईआर को अलग-अलग पुलिस थानों में दो महीने के दौरान दर्ज किया गया है। और सभी एफआईआर में आरोपियों के नाम भी एक ही क्रम में थे। ये FIRs एक-दूसरे की कॉपी हैं। उन्होंने दावा किया कि ये एफआईआर पुलिसकर्मियों द्वारा छेड़ा से पैसे वसूलने के उद्देश्य से दर्ज की गईं थी।

4.5 लाख रुपये की एमडी ड्रग जब्त, एक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भिवंडी शहर के प्रवेश द्वार के प्रमुख रास्तों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। शांतिनगर पुलिस ने रात करीब 8:30 बजे भिवंडी कल्याण रोड पर साईंबाबा मंदिर के पास साईं प्रेम ढाबा के सामने बिक्री के लिए एमडी पावडर लाने वाले साहिल सईद शेख रेतीबंदर कल्याण पश्चिम को गिरफ्तार किया है। पुलिस तलाशी के दौरान उसके पास से 21 ग्राम वजनी 4 लाख 30 हजार रुपये कीमत के नशीले पदार्थों का जखीरा बरामद किया हुआ है। इस मामले में शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। भिवंडी शहर में विगत दो-तीन महीने में करीब 900 करोड़ रुपए कीमत का नशीला पदार्थ जब्त किया गया है।

दो-तीन महीने में करीब 900 करोड़ रुपए कीमत का नशीला पदार्थ जब्त

मानव जंजीर के माध्यम से मतदान के लिए किया जनजागृति

ठाणे। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए व अधिक से अधिक मतदान करवाने के लिए नागरिकों को लोकतंत्र के अधिकार उपयोग करें इसलिए स्वीप के माध्यम से 149 कलवा मुंब्रा विधानसभा चुनाव में जनजागृति किया गया। स्वीप ने मानव जंजीर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्कूली छात्र,शिक्षक व नागरिकों ने हिस्सा लिया। शिक्षक ने उपस्थित सभी लोगों को मतदान करने के लिए आवाहन किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने मतदान करने के लिए शपथ लिया।

मतदान केंद्र पर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान के लिए मनाही: अशोक शिनगारे

धर्मेंद्र उपाध्याय | ठाणे

भारत चुनाव आयोग के निर्देशानुसार 20 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक जिला के 18 विधानसभा चुनाव क्षेत्र में कुल 6 हजार 955 मतदान केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया होगी। मतदान केंद्र पर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर प्रवेश करने के लिए सख्त मनाही है, यह आदेश चुनाव आयोग ने दिया है। इसकी जानकारी जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने दिया। मतदान के दिन मतदाता को मतदान करना महत्वपूर्ण अधिकार है, इसके लिए सभी मतदाता को

मतदान करना चाहिए। मतदान केंद्र पर अपना परिचय पत्र लेकर जाना आवश्यक है। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदान केंद्र पर आधार कार्ड, मनरेगा पत्र, बैंक पास बुक, स्वास्थ्य कार्ड, पेन कार्ड, बीमा कार्ड, लिमिटेड कंपनी के पहचान पत्र, संसद सदस्य, विधानसभा सदस्य, विधानपरिषद सदस्य का परिचय पत्र पहचान पत्र मान्य है।

शिवसेना यूबीटी के कार्यकर्ताओं ने महिला प्रचारकों के साथ की मारपीट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों शिवसेना (यूबीटी) और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच एक बार फिर से संघर्ष की स्थिति बन गई है। आरोप है कि उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने शिवसेना की महिला प्रचारकों के साथ मारपीट की और उनके वाहनों पर लाठियों से हमला किया। यह घटना मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में शिंदे गुट के कार्यालय के बाहर हुई। शिवसेना सांसद रवींद्र वायकर ने दावा किया है कि यह गुंडागर्दीऱ शिवसेना (यूबीटी) के इशारे पर हुई है। सांसद रवींद्र वायकर ने आरोप लगाया कि महिला प्रचारक जब जोगेश्वरी स्थित शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यालय से घर लौट रही थीं, तो शिवसेना (यूबीटी) के कथित गुंडों ने उन्हें परेशान किया। उन्होंने कहा कि इन गुंडों ने महिला प्रचारक के कपड़े फाड़े और उनके वाहनों पर लाठियों से हमला किया। उन्होंने इस हमले को गुंडागर्दीऱ और महिला शोषण करार दिया और इस घटना के लिए सीधे तौर पर शिवसेना (यूबीटी) नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। रवींद्र वायकर ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ इस प्रकार की हिंसा और छेड़छाड़ बिल्कुल असहनीय है।

'1956 से पहले हुई पिता की मौत तो बेटी नहीं मांग सकती हिस्सा'

संपत्ति विवाद में बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने संपत्ति विवाद से जुड़े एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायालय ने कहा कि अगर पिता की मौत हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के लागू होने से पहले हो चुकी है। अगर मृतक अपने पीछे बेटी और विधवा दोनों को छोड़कर गया है तो बेटी को प्रॉपर्टी में हिस्सा नहीं मिलेगा। बेटी को पूर्ण और सीमित उत्तराधिकारी नहीं माना जा सकता। जस्टिस जितेंद्र जैन और एएस चंदुरकर की पीठ ने विवाद को लेकर फैसला सुनाया। 2007 में इस मामले को लेकर दो एकल न्यायाधीशों की पीठों के अलग-अलग विचार सामने आने के बाद केस खंडपीठ को ट्रांसफर किया गया था। खंडपीठ से यह तय करने की मांग की गई थी कि क्या बेटी को अपने पिता की संपत्ति में कोई हक मिल सकता है?

वकीलों ने दिए ये तर्क

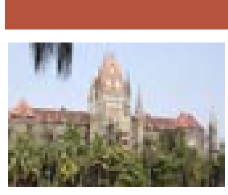

बेटी के वकीलों का तर्क था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के तहत बेटियों को भी उत्तराधिकारी माना जाना चाहिए। 1937 के अधिनियम के अनुसार बेटी को बेटे के बराबर माना जाना चाहिए। 2005 में भी एक संशोधन हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम में किया जा चुका है। लेकिन दूसरी शादी से हुई बेटी के वकील ने हवाला दिया कि उसकी मां को पूरी संपत्ति विरासत में मिली है। पिता की मौत 1956 से पहले हुई है। इसलिए उसका ही पूरी संपत्ति पर अधिकार है। 1937 के अधिनियम में सिर्फ बेटों का उल्लेख है, बेटियों का नहीं। अब फिर से यह केस अपील के शेष गुण-दोष पर निर्णय के लिए एकल न्यायाधीश को ट्रांसफर किया गया है। मामला एक पारिवारिक विवाद से जुड़ा है। एक ऐसे शख्स की मौत के बाद केस शुरू हुआ था, जिसकी दो बीवियां थीं। पहली शादी से दो और दूसरी शादी से एक बेटी थी। पहली पत्नी की मौत 1930 में हुई थी। जिसके बाद पति का निधन 10 जून 1952 को हुआ था। इससे पहले शख्स की एक बेटी का निधन भी 1949 में हुआ था, जो पहली पत्नी से थी। दूसरी पत्नी का देहांत 8 जुलाई 1973 को हो गया था। बेटी के पक्ष में दूसरी पत्नी 14 अगस्त 1956 को वसीयत छोड़कर गई थी।

मुंबई हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन

दुर्गामाता विवाह हॉल पर बुलडोजर चलाने से कतरा रहे अधिकारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दुर्गामाता विवाह हॉल को अनधिकृत निर्माण घोषित करते हुए केडीएमसी (कल्याण-डोंबिवली नगर निगम) को तत्काल ध्वस्त करने का आदेश दिया है। समाजसेवक अनिल कृपाशंकर शुक्ला ने भू-माफिया सुशील शुक्ला और केडीएमसी के अधिकारियों पर पैसों के लेन-देन का आरोप लगाया

है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भू-माफिया सुशील शुक्ला और उनके सहयोगियों ने कल्याण पूर्व के कोलसेवाडी में जी+2 कॉमर्शियल संरचना के रूप में लगभग 6000 वर्ग फुट क्षेत्र में दुर्गामाता विवाह हॉल का अवैध निर्माण किया है। इस अवैध निर्माण को रोकने और ध्वस्त करने की शिकायत केडीएमसी के आयुक्त और सहायक आयुक्त कल्याण को स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा कई बार दी जा चुकी है। बावजूद इसके, केडीएमसी अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह अनधिकृत निर्माण अब भी बरकरार है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

इस अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त करवाने के लिए, अनिल कृपाशंकर शुक्ला (पता: 702, स्वानंदी सीएचएस, बी 3 बिल्डिंग, शक्तिधाम कॉम्प्लेक्स, कल्याण पूर्व, जिला ठाणे 421306) ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की जांच और सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने दुर्गामाता विवाह हॉल को अनधिकृत निर्माण करार देते हुए केडीएमसी को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया था।

मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर फोन ले जाने की अनुमति देने को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट में मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर फोन ले जाने की अनुमति देने को लेकर याचिका दाखिल की गई है। अदालत ने मंगलवार को कहा कि वह 18 नवंबर को आम मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर अपना मोबाइल फोन ले जाने और डिजीलॉकर एप्लीकेशन के माध्यम से अपना पहचान प्रमाण दिखाकर प्रवेश की अनुमति देने संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा।मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ के समक्ष वकील और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) में

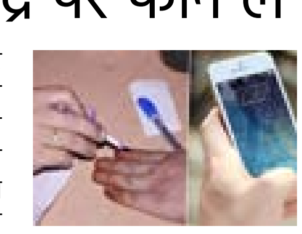

राजनीतिक रूप से सक्रिय उजाला यादव की ओर से याचिका दायर की गई है। राज्य विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने का हवाला देते हुए तत्काल सुनवाई के लिए याचिका में अनुरोध किया गया। पीठ ने भारत के चुनाव आयोग के स्थायी वकील को 18 नवंबर को सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया। याचिका में दावा किया गया कि चुनाव अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति है, जबकि मतदाताओं को इसकी अनुमति नहीं है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। मतदाताओं को मतदान केंद्रों के अंदर अपने मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं है। इसलिए इससे कई लोगों को असुविधा होती है और इसके कारण वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं या अन्य व्यक्तियों को अकेले मतदान केंद्रों पर जाना पड़ता है। वे मोबाइल के बिना मतदान करने से जाने बचते हैं। चुनाव आयोग ने 14 जून 2023 को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव कार्यालयों को संबोधित करते हुए एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों, अधिकृत चुनाव और पुलिस अधिकारियों के अलावा किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के भीतर मोबाइल फोन, वायरलेस सेट ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

बाल दिवस आज

- 07 घंटे का औसत समय बच्चे स्क्रीन पर गुजार रहे हैं
- 02 घंटे से अधिक का समय बच्चे गेमिंग को दे रहे हैं
- 03 की उम्र में फोन, चार साल की उम्र में गुस्सा बढ़ा रहा

चुनौती बना बच्चों का बचपन बचाना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एक दौर था जब मां बच्चों को मैदान से पकड़कर घर में लाती थी और एक वक्त ये है जब बच्चे कमरों, कोठरियों और सोसाइयटी के अंधेरे कोनों में बैठे रहते हैं। गैजेट की दुनिया में बच्चों का बचपन गुम हो रहा है। बाल उम्र में ही चिड़चिड़ेपन और अवसाद के शिकार हो रहे हैं। वीडियो गेम के लिए जान ले रहे हैं और वीडियो गेम में जान दे रहे हैं।

ऐसे बिगड़ रहा तन और मन

तन : दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के बाल मनोचिकित्सक डॉ. इमरान नूरानी बताते हैं कि बचपन के शुरुआती पांच साल अहम होते हैं। ये वो दौर होता है जब बच्चे परिवार और समाज के लोगों से सीखते हैं। मोबाइल, गेम और गैजेट्स ने बच्चों को समाज से अलग कर दिया है। इसका सीधा असर उनके संपूर्ण विकास पर हो रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2050 तक देश के 50 फीसदी बच्चों को पास की नजर संबंधी समस्या होगी।

मन : गैजेट्स और स्क्रीन का सबसे बुरा असर मन और मस्तिष्क पर पड़ रहा है। स्क्रीन तक सीमित रहने के कारण बच्चे के मस्तिष्क का विकास उस तरह से नहीं हो पा रहा जैसा होना चाहिए। बच्चे के सोचने-समझने की क्षमता एकतरफा होती है। निर्णय लेने की क्षमता पर असर होता है। इसका असर उसकी पढ़ाई- लिखाई पर दिखता है।

इनसे सीखें

ऑस्ट्रेलिया

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए शिंकजा कसने की तैयारी कर ली है। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की तैयारी है, इसे बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है।

स्वीडन

जन स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुसार किशोरों को एक दिन में सिर्फ तीन घंटे स्क्रीन के सामने समय गुजारने का प्रावधान है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ये समय सिर्फ एक घंटा है।

मिस्र

सोशल मीडिया पर जिनके पांच हजार फॉलोवर हैं उन्हें मीडिया कानूनों के तहत सरकारी नियामक में पंजीकरण कराना होगा। ऐसे लोगों द्वारा बनाए जा रहा कंटेंट ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

महाराष्ट्र में आखिरी दौर के प्रचार में पूरी ताकत झोंकेगी कांग्रेस

- मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी करेंगी चुनावी रैलियां
- 70 जनसभाएं करने का पार्टी ने तय किया है लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में कांग्रेस पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले पार्टी ने लगभग 70 सभाएं करने का लक्ष्य तय किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 20 से ज्यादा जनसभाओं और चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे।

अलग-अलग मुद्दों को तरजीह देंगे

प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अलग-अलग मुद्दों को तरजीह देंगे। भाजपा के पार्टी के हमलों का जवाब देने की जिम्मेदारी जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की होगी, वहीं राहुल गांधी प्रचार में मराठा आरक्षण, जाति जनगणना और 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को खत्म करने जैसे मुद्दों को धार देंगे।

राहुल गांधी आधा दर्जन सभाओं को करेंगे संबोधित

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विदर्भ, मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र में करीब आधा दर्जन सभाओं को संबोधित करेंगे। इसके साथ पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे लगभग एक दर्जन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी चार रैलियां करेंगी। महाराष्ट्र कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी के तमाम बड़े नेताओं के कार्यक्रम बनाए गए हैं और पार्टी लगभग 70 रैलियां करेगी।

महिलाओं के लिए किये वादों को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर महाविकास आघाडी के घोषणा पत्र में महिलाओं के लिए किये वादों को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। वायनाड में मतदान खत्म होने के बाद प्रियंका गांधी महाराष्ट्र में प्रचार करेंगी। इसके साथ पार्टी महासचिव सचिन पायलट सहित सभी वरिष्ठ नेता और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी झारखंड के दूसरे चरण और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार करेंगे।

शराब, कत्ल और सात टुकड़ों में कटी लाश

खुला खूनी राज

दो दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा बेरहम कातिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई शहर में सात टुकड़ों में कटी लाश बरामद होने का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस सनसनीखेज कत्ल की वारदात को अंजाम देने वाला कातिल अब पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। पुलिस ने खुलासा किया है कि आरोपी और मृतक दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। कत्ल से पहले आरोपी ने पहले मृतक को शराब पिलाई थी।

31 अक्टूबर की रात किया था कत्ल

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी की शिनाख्त मोहम्मद सत्तार के तौर पर हुई है, जो भयंदर की झुग्गी में रहता है। पुलिस का कहना है कि मृतक और आरोपी दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। जिसके चलते 31 अक्टूबर को आरोपी ने मृतक को भाईंदर में अपनी झुग्गी में बुलाया था। जब वो शख्स वहां पहुंचा तो पहले आरोपी सत्तार ने उसे शराब पिलाई और फिर अचानक उस पर तेजधार चाकू से हमला कर दिया। नशे में होने की वजह पीड़ित संभल नहीं पाया और सत्तार ने उसकी हत्या करने के बाद लाश के सात टुकड़े कर दिए और उन्हें पैक कर दिया। अब सवाल था कि लाश के टुकड़ों को ठिकाने कैसे लगाया जाए तो सत्तार ने एक नवंबर की सुबह तक इंतजार किया। फिर सुबह वो ऑटो रिक्शा में लाश के पैक टुकड़ों को लेकर गोराई पहुंचा और वहां जंगल के पास वाले रास्ते पर उन इंसानी टुकड़ों को फेंककर फरार हो गया था।

लाश मिलने के 48 घंटे बाद खुलासा

मुंबई पुलिस के मुताबिक, दो दिन पहले मुंबई के गोराई में सात टुकड़ों में कटी हुई एक लाश मुंबई पुलिस ने सूचना मिलने के बाद बरामद की थी। लाश बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने लाश को कब्जे लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी थी। 48 घंटे बाद पुलिस ने इस मामले का खुलासा कर दिया और अभियुक्त मुंबई पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

ये थी कत्ल की वजह

मृतक की शिनाख्त 21 वर्षीय रघुनंदन के तौर पर हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रघुनंदन अभियुक्त सत्तार की 17 वर्षीय बहन के संपर्क में था। मगर उन दोनों की दोस्ती सत्तार को पसंद नहीं थी। इसी बात की वजह से सत्तार अपनी बहन को मुंबई लेकर आ गया था। लेकिन इसके बाद रघुनंदन भी पुणे में आकर काम करने लगा। 2 महीने पहले सत्तार ने रघुनंदन को अपनी बहन से दूर रहने की हिदायत दी थी। लेकिन रघुनंदन फिर भी उसकी बहन के संपर्क में था। इसी बात से सत्तार बेहद खफा था। इसी के चलते उसने गुस्से में आकर रघुनंदन की हत्या कर दी।

डेवलपर पर ने 55 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डेवलपर ने एक इमारत के रीडेवलपमेंट का काम लिया। लेकिन तय सीमा पर काम करने के नहीं दिया। साथ ही इमारत के कुछ फ्लैट दूसरों को बेच दिए। इस धोखाधड़ी का पता चलते ही मालिकों ने पुलिस में डेवलपर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

मालिकों को बिना बताए दूसरों को बेच दिए फ्लैट

महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने एक डेवलपर पर एक पुनर्विकसित की जा रही इमारत में रह रहे लोगों से कथित तौर पर 55 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के लिए मामला दर्ज किया है। बुधवार को अधिकारियों ने कहा कि इमारत में रहने वाले लोगों से अनुमति लिए बिना उनके फ्लैट बेचकर यह धोखाधड़ी की गई। अधिकारियों के अनुसार अमरजीत शुक्ला और उनकी कंपनी 'मिड सिटी हाइट्स' को पश्चिमी उपनगर वर्सोवा में यारी रोड पर स्थित एक इमारत के रीडेवलपमेंट का काम मिला और उसने निवासियों को निर्धारित समय के अंदी उनके घर उन्हें सौंपने का वादा किया था। बताया जा रहा है कि इमारत में 13 निवासियों के 14 फ्लैट थे।

'बंटेंगे तो कटेंगे' पर अजित पवार ने फिर दिखाए सख्त तेवर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में वोटिंग से पहले बंटोगे तो कटोगे को लेकर राजनीति तेज हो गई है। बीजेपी- शिवसेना गठबंधन महायुति में शामिल अजित पवार ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम बंटोगे तो कटोगे का समर्थन नहीं करते हैं। बंटेंगे तो कटेंगे महाराष्ट्र में नहीं चलने वाला। अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र साधु-संतों का है। हम उन्हीं के रास्तों पर जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सबका साथ..सबका विकास पर यकीन करते हैं। अजित पवार ने महाराष्ट्र के बीड में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कही।

महाराष्ट्र में नहीं चलेगा

उन्होंने कहा-'अगर कोई कुछ कहता है तो हर बात का हम समर्थन नहीं करते। कोई कहता है बटेंगे तो कटेंगे यह महाराष्ट्र में नहीं चलेगा यह नॉर्थ में.. महाराष्ट्र में नहीं.. महाराष्ट्र साधु संतों का महाराष्ट्र है। साहू फूले और आंबेडकर का सिखाया हमारे खून में दौड़ता है। हम उसी रास्ते पर जाएंगे। पिछली बार लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यक समुदाय ने अलग प्रकार की भूमिका अपनाई। आपको क्या मिला आपका वोट का क्या हुआ? इस बारे में विचार तो करिए.. कहा गया कि संविधान बदल जाएगा, 400 पार हुआ तो आरक्षण हटा दिया जाएगा। किसने कहा.. आपके विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं था इसलिए उन्होंने आपकी दिशा भटका दी।

महाराष्ट्र की तुलना अन्य राज्यों से नहीं हो सकती

दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली में अपना नारा 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे को दोहराया था। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख अजित पवार ने कहा था कि राज्य के लोग इस तरह की टिप्पणी पसंद नहीं करते। पवार ने कहा कि प्रदेश के लोगों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है। योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, ''महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले का है। आप महाराष्ट्र की तुलना अन्य राज्यों से नहीं कर सकते, महाराष्ट्र के लोगों को यह पसंद नहीं है।'' उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की शिक्षा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की थी। राकांपा प्रमुख ने कहा, ''जब दूसरे राज्यों से लोग यहां आते हैं, तो वे अपने लोगों को ध्यान में रखते हुए बयान देते हैं, लेकिन महाराष्ट्र ने कभी इसे स्वीकार नहीं किया और यहां के सभी चुनावों का यह इतिहास रहा है।'' राकांपा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी है। महाराष्ट्र 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पूर्वी महाराष्ट्र के वाशिम में एक चुनावी रैली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने इस नारे को दोहराया था।

तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस के आर्थिक मॉडल पर साधा निशाना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के नेता तेजस्वी सूर्या बुधवार को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के लिए प्रचार करने के लिए मुंबई पहुंचे। उन्होंने मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कांग्रेस के आर्थिक मॉडल की भी आलोचना की। बुधवार को आरोप लगाते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार की आर्थिक नीतियों ने कर्नाटक को दिवालिया होने की कगार पर पहुंचा दिया है। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने दावा किया कि कर्नाटक गंभीर वित्तीय अस्थिरता का सामना कर रहा है। सूर्या ने मुंबई में कहा कि "यह कर्नाटक में कांग्रेस द्वारा तैयार किया गया एक गैरजिम्मेदार आर्थिक मॉडल है। राज्य अब दिवालियापन और आर्थिक अराजकता की कगार पर खड़ा है। सार्वजनिक धनराशि को लेकर सरकार की नीतियां आर्थिक संकट पैदा कर रही हैं।" बीजेपी नेता तेजस्वी सूर्या ने दावा किया कि पिछली भाजपा सरकार ने कर्नाटक में 20 हजार करोड़ रुपए का राजस्व अधिशेष बजट पेश किया था। लेकिन कांग्रेस की 'राजकोषीय अनुशासनहीनता और कुशासन' के कारण पिछले दो वर्षों में 12 हजार करोड़ रुपए का राजस्व घाटा हुआ है। सूर्या ने दावा किया कि कर्नाटक सरकार का महिलाओं को 2,000 रुपए मासिक भत्ता देने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है, जिसके कारण लाभार्थियों को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

'महत्वकांक्षाओं को छोड़ महाराष्ट्र के बारे में सोचें'

- उद्धव ठाकरे ने बागियों से की अपील

डीबीडी संवाददाता | सिंधुदुर्ग

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार राजन तेली के लिए कोंकण क्षेत्र के तटीय शहर सावंतवाड़ी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एमवीए के बागियों से अपील की। उद्धव ठाकरे ने कहा कि सीट बंटवारे पर बातचीत के दौरान खींचतान हो सकती है, लेकिन गठबंधन के घटक अंततः एकजुट रहते हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि "कांग्रेस कुछ सीट

चाहती थी और हम भी कुछ और सीट चाहते थे। लेकिन जब हमने महाराष्ट्र के हितों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है तो सभी को गठबंधन धर्म का पालन करना होगा।" शिवसेना(उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बुधवार को महा विकास अघाड़ी के बागियों से अपील की कि वे अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को किनारे रख महाराष्ट्र के हित के लिए बड़ा सोचें। उद्धव ठाकरे ने कहा कि एमवीए सभी सहयोगी ऐसा कर रहे हैं। मैं अभी भी मैदान में मौजूद एमवीए के बागियों से अपील करना चाहता हूं कि वे महाराष्ट्र विरोधी तत्वों की मदद न करें।" शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी गठबंधन एमवीए में कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ शामिल है। सावंतवाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मंत्री दीपक केसरकर को उद्धव ठाकरे गुट के राजन तेली के खिलाफ मैदान में उतारा है।

Advertisement for solar panel vendor quotation,
We are seeking
experienced solar panel vendors for the installation of solar panels at our housing society located on Kalyan Shil Road.
Interested vendors can submit their quotations to bhoomilawnschs@yahoo.com by November 31, 2024.
Site visits are welcome at **Bhoomi Lawns CHS LTD**, beside the Toyota showroom in Paddle Village, Thane. This is an excellent opportunity to partner with us in promoting sustainable energy solutions.
Thanks & Regards, Bhoomi Lawns CHS Management Committee

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

तंत्र पर पटाखों के ठहाके

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण के दौरान जमकर हुई पटाखेबाजी पर तल्ख टिप्पणी की है। प्रदूषण संकट को देखते हुए इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि कोई भी धर्म प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधि को प्रोत्साहित नहीं करता। यही वजह है कि कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर लगे प्रतिबंध को सालभर के लिये लागू करने हेतु एक पखवाड़े के भीतर ही फैसला ले। वहीं दूसरी ओर सरकारों को जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कोर्ट ने याद दिलाया कि अनुच्छेद 21 के तहत प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना आम नागरिक का मौलिक अधिकार है। वहीं कोर्ट ने धर्म की वास्तविक व्याख्या को बताते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी धर्म द्वारा किसी ऐसे काम को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, जो समाज या व्यक्ति के लिये नुकसानदायक हो। यानी धर्म तो मानव मात्र के कल्याण के लिये सदैव आकांक्षी रहता है। निश्चित रूप से अदालत ने स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया कि किसी सामूहिक या व्यक्तिगत खुशी के लिये विषम परिस्थितियों में पटाखे चलाना दूसरे व्यक्ति के नागरिक अधिकारों का भी हनन है। विडंबना यह है कि पटाखों पर प्रतिबंध को लोग धार्मिक अस्मिता से जोड़ लेते हैं। हम यह याद नहीं रखते हैं कि पटाखों से होने वाले प्रदूषण से उन लोगों पर क्या गुजरती होगी, जो श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे हैं। कमोबेश यही स्थिति उम्रदराज नागरिकों, अस्पतालों में उपचार हेतु भर्ती लोगों तथा धमाकों के प्रति अधिक संवेदनशील व्यक्तियों को लेकर भी होती है। यह सवाल तार्किक है कि क्या खुशी की अभिव्यक्ति का कोई रिश्ता पटाखों से होता है? वह भी उस स्थिति में जब देश की राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में गिनी जाती हो। कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को भी फटकार लगाई कि वह पटाखों पर लगे प्रतिबंध को अमल में नहीं ला पायी। हालांकि, पुलिस की मजबूरी का एक पहलू पर्व की संवेदनशीलता व इस मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप भी रहता है। हालांकि, आलोचक पर्व-त्योहार पर पटाखों पर प्रतिबंध की तार्किकता को लेकर सवाल भी उठाते हैं। उनका कहना होता है कि यदि दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध लगता है तो अन्य धर्मों के पर्वों पर यह नियम-कानून लागू होना चाहिए। वे सवाल उठाते हैं कि क्या पटाखों पर प्रतिबंध से दिल्ली का प्रदूषण खत्म हो जाएगा? क्या वास्तव में प्रतिबंध के परिणाम प्रभावी होते हैं? क्या अदालत प्रदूषण के अन्य बड़े कारकों के प्रति भी ऐसा ही सख्त रवैया अपनाती है? वे मानते हैं कि पटाखे चलाने की गतिविधि एक-दो दिन की होती है,लेकिन प्रदूषण तो राजधानी में बारह महीनों होता है। कहा जाता है कि पिछले कुछ वर्षों में सर्दियों में दिल्ली समेत देश के व्यापक क्षेत्रों में वातावरण जहरीला हो जाता है। आलोचकों का तर्क होता है कि राज्य सरकारें व प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण में अपनी नाकामी का ठीकरा पटाखों के सिर फोड़ते हैं। लेकिन सवाल सिर्फ दिल्ली का ही नहीं है राजधानी की आबोहवा में प्रदूषण बढ़ाने में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले अन्य राज्यों में स्थित शहरों की भूमिका भी होती है। वहीं एक सवाल यह भी रहता है कि शीर्ष अदालत दिल्ली की स्थिति को लेकर तो सख्त रहती है लेकिन देश के अन्य राज्यों के कई शहरों में दिल्ली जैसा प्रदूषण विद्यमान रहने पर ऐसी सक्रियता नजर नहीं आती। देश के अन्य भागों की ओर भी ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही आबोहवा में जहर घोलने वाले प्रमुख कारकों की तलाश करके इस दिशा में गंभीर पहल किए जाने की भी आवश्यकता है। इसके अलावा इस दिशा में सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को वातावरण साफ रखने के मिशन से जोड़ा जाना चाहिए। एक हकीकत यह भी है कि जागरूकता के अभाव में हम जीवन-व्यवहार में बहुत कुछ ऐसा करते हैं जो कालांतर प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका निभाता है। निश्चित रूप से पूरे देश में यह सोच विकसित करनी होगी कि हमारे किसी कार्य से दूसरे व्यक्ति के जीवन के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं किया जाना चाहिए।

दिखावे वाले हाथी दांत सरीखे स्मॉग टॉवर्स

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

बीते साल उच्चतम न्यायालय ने यह जानकारी मिलने पर कि दिल्ली के कनाट प्लेस में स्थित स्मॉग टॉवर बंद पड़ा है, तत्काल उसे चालू करने का आदेश दिया। अदालत ने पूछा कि गंभीर प्रदूषण की स्थिति में स्मॉग टॉवर को असफल बताकर कैसे बंद किया जा सकता है। इसके बाद, डीपीसीसी के चेयरमैन को रियल टाइम आंकड़ों के साथ न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। इस दौरान यह भी सामने आया कि आनंद विहार का स्मॉग टॉवर भी बंद था, जो प्रदूषण से प्रभावित एक प्रमुख क्षेत्र है। अक्तूबर, 2024 में दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति और भी गंभीर हो गई है, लेकिन तात्कालिक कार्रवाई न तो न्यायालयों में हो रही है और न ही सरकारों में। दिवाली से पहले ही दिल्ली भारत का सबसे प्रदूषित शहर बन चुका है, और स्मॉग टॉवर्स महीनों से बंद हैं, जिनका मुख्य कारण संचालन और कर्मचारियों के वेतन के लिए धन की कमी है। कनाट प्लेस में खुले में रोजगार करते श्रमिकों का कहना है कि ठंड में बढ़ते प्रदूषण के बीच बंद स्मॉग टॉवरों को फिर से चालू किया जाना चाहिए, क्योंकि पिछले साल इससे उन्हें साफ हवा मिली थी। इसी तरह, आनंद विहार में लगे केंद्र सरकार द्वारा संचालित स्मॉग टॉवर का हाल भी अच्छा नहीं है, जहां एक्यूआई 400 तक पहुंचता रहता है। दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान्स में 2021 में स्मॉग टावर्स लगाने के बाद से 2022, 2023 और 2024 में इन टॉवर्स पर चुप्पी रही है, जो स्वाभाविक ही था। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2021 में कनाट प्लेस और आनंद विहार में स्मॉग टॉवर्स का उद्घाटन किया गया था, और यह दो साल का पायलट प्रोजेक्ट था। चूंकि मामला अभी भी उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इस पर अंतिम निर्देश मिलने के बाद ही यह तय होगा कि दिल्ली में अन्य स्थानों पर भी स्मॉग टॉवर्स लगाए जाएंगे या नहीं। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर आईआईटी मुंबई ने सीपीसीबी को स्मॉग टॉवर्स पर प्रस्ताव सौंपा था। जब यह खबर सामने आई कि आईआईटी मुंबई इस परियोजना से पीछे हटने जा रहा है, तो जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच ने जुलाई 2020 में भारत के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता के माध्यम से उसे चेतावनी दी कि यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना मानी जाएगी, और इसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद, आईआईटी मुंबई ने परियोजना पर काम जारी रखा। 2023 में स्मॉग टावर्स के दो साल पूरे होने पर, आईआईटी मुंबई ने 30 सितंबर, 2023 को एक रिपोर्ट तैयार की, और पर्यावरण मंत्री के निर्देश पर यह फाइनल रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई। सात नवम्बर, 2023 को उच्चतम न्यायालय ने सवाल उठाया कि स्मॉग टॉवर को असफल कैसे माना जा सकता है, जबकि दो साल के पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में आठ महीने तक ये टॉवर बंद थे। इसके अलावा, कनाट प्लेस का स्मॉग टॉवर एक नई तकनीक पर आधारित था, जिससे अनुभव का अभाव था, और अक्तूबर 2022 तक इसके संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल भी तैयार नहीं हो पाए थे। इसी संदर्भ में, 13 नवम्बर 2021 को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दिल्ली सरकार से यह सवाल पूछा था कि जब दिल्ली में गैस चेम्बर जैसी स्थिति है, तो क्या स्मॉग टावर वास्तव में काम कर रहे हैं, जैसा कि सरकार दावा करती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि स्मॉग टावरों से दिल्ली में गैस चेम्बर जैसी खतरनाक स्थितियों में आम लोगों को राहत मिलती है। कोर्ट ने यह भी बार-बार कहा है कि साफ हवा में सांस लेना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। स्मॉग टॉवर से छनी हुई हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक कणों की कमी के कारण स्मॉग की घातकता कम होती है, जिससे खुली हवा में व्यायाम और सैर के दौरान जोखिम घटता है, और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोग भी राहत महसूस कर सकते हैं। फिलहाल, स्मॉग टॉवरों का निर्माण और संचालन इतना महंगा है कि दिल्ली सरकार इन्हें अपने खर्चे पर चलाने से बच रही है। एक साल में इनका रखरखाव ही ढाई करोड़ रुपये तक हो सकता है। कनाट प्लेस का स्मॉग टावर 22.9 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हुआ था, और इसके रखरखाव पर पर्यावरण विभाग ने लगभग 2.6 करोड़ रुपये खर्च किए। डीपीसीसी के अध्यक्ष ने नवंबर 2023 में यह स्वीकार किया कि स्मॉग टॉवरों से लाभ उठाने के लिए उनके बहुत पास रहना होगा, और दिल्ली में साफ हवा की आपूर्ति के लिए हजारों टॉवर लगाने होंगे। 4 नवंबर, 2023 को पर्यावरण मंत्री ने कनाट प्लेस स्मॉग टॉवर को आठ महीने से बंद रखने के लिए डीपीसीसी को जिम्मेदार ठहराया। इसी दौरान आनंद विहार का टॉवर भी बंद था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लगे स्मॉग टॉवरों का भविष्य क्या होगा, यह सवाल उठ रहा है। इसके अलावा, फिल्टरों की सफाई करते समय प्रदूषित हवा को बाहर छोड़ा जाता है, जिससे नए प्रदूषण के क्षेत्र उत्पन्न हो सकते हैं।

जीवन मंत्र

श्री श्री रविशंकर

निष्ठा तुम्हारी संपदा है

ईश्वर, संसार और स्वयं में निष्ठा का अभाव भय को जन्म देता है। निष्ठा तुमको संपूर्ण बनाती है। संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शांति नहीं मिलती। गौर करना, यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है, तो तुममें शांति और स्वतंत्रता भी होगी।

यदि तुम समझते हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा उसका कुछ भला कर रही है, तो यह तुम्हारी भूल है। ईश्वर या गुरु में निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तो तुम्हारी संपदा है। यह तुम्हें तुरंत बल देती है। निष्ठा तुममें स्थिरता, शांति और प्रेम लाती है। यह तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तो तुम्हें इसके लिए प्रार्थना करनी होगी, लेकिन प्रार्थना के लिए भी निष्ठा की आवश्यकता है, यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं, लेकिन यह संसार तो साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है, लेकिन वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं? वे सोचते हैं कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है, परंतु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन हैं!

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो कि 'मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं; मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा।'

संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी, वरना तुम एक इंच भी नहीं बढ़ सकते। तुम बैंक में रुपये जमा करते हो इस निष्ठा के साथ कि वह रकम तुम्हें वापस मिल जाएगी। यदि तुम सब पर शक करोगे, तो तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरी निष्ठा ईश्वर से जुड़ी है। ईश्वर में निष्ठा रखोगे, तभी तुम विकसित हो सकोगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। तुममें ये तीनों होनी चाहिए। याद रखो, तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना प्रारंभ कर दोगे। नास्तिक लोग खुद में और इस संसार में तो यकीन रखते हैं, मगर ईश्वर में नहीं रखते। परंतु वास्तव में, उनमें स्वयं के प्रति भी पूर्ण निष्ठा नहीं है और संसार के प्रति उनकी निष्ठा स्थायी हो नहीं सकती, क्योंकि संसार परिवर्तनशील है। ईश्वर, संसार और स्वयं में निष्ठा का अभाव भय को जन्म देता है। निष्ठा तुमको संपूर्ण बनाती है। संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शांति नहीं मिलती। गौर करना, यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है, तो तुममें शांति और स्वतंत्रता भी होगी। इसलिए अशांत व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। मगर यह मत भूलो, निष्ठा और विश्वास में फर्क होता है। निष्ठा आरंभ है और विश्वास परिणाम! स्वयं में निष्ठा स्वतंत्रता लाती है, संसार में निष्ठा मन को शांति देती है और ईश्वर में निष्ठा तुम्हारे अंदर प्रेम जागृत करती है।

यदि तुममें निष्ठा नहीं, तो फिर प्रश्न पूछने की कोई जरूरत नहीं, क्योंकि उसके उत्तर में फिर तुम्हारी आस्था कैसे होगी? और यदि तुममें संपूर्ण निष्ठा है, तब वहां प्रश्न ही नहीं होगा। यदि तुम बेंगलुरु के लिए कर्नाटक एक्सप्रेस में बैठे हो, तो क्या तुम्हें हर स्टेशन पर यह पूछने की जरूरत है कि यह ट्रेन कहां जा रही है?

जीवन ऊर्जा

बूटरोस बूटरोस-घाली: जन्म 14 नवम्बर 1922

जन्म

भविष्य आज किए गए कार्यों से आकार लेता है

बूटरोस बूटरोस-घाली एक प्रसिद्ध मिस्र के राजनेता और संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव थे। उनका जन्म 14 नवम्बर 1922 को हुआ और मृत्यु 16 फरवरी 2016 को हुई। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मामलों में महत्वपूर्ण योगदान दिया, विशेष रूप से शांति और वैश्विक सहयोग के क्षेत्र में।

हमें कभी भी शांति की उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए, भले ही यह असंभव लगे। शांति की राह लंबी और कठिन है, लेकिन यह वही रास्ता है जिसे अपनाना सबसे महत्वपूर्ण है। संवाद की ओर हर छोटा कदम वैश्विक एकता की ओर एक कदम है। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए, हमारा सामूहिक इरादा भविष्य निर्धारित करेगा। सच्चा नेतृत्व प्रभुत्व के बारे में नहीं होता, बल्कि यह लोगों को सामान्य भलाई के लिए एक साथ लाने के बारे में है। हमें कभी भी आशा नहीं खोनी चाहिए, क्योंकि हर चुनौती में एक नई शुरुआत की संभावना छिपी होती है। विश्वसनीयता का निर्माण करना संघर्ष समाधान और स्थायी शांति की ओर पहला कदम है। यहां तक कि सबसे अंधेरे समय में भी, सहयोग की रोशनी हमें बेहतर दुनिया की ओर मार्गदर्शन कर सकती है। एक राष्ट्र की ताकत उसकी शांति और सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता से मापी जाती है। शांति की चाह रखना पर्याप्त नहीं है; हमें इसे दृढ़ संकल्प और एकता के साथ काम करके प्राप्त करना होगा। परिवर्तन बनाने की शक्ति हर उस व्यक्ति के हाथ में है, जो एक बेहतर भविष्य में विश्वास करता है। हमारे भिन्नताएँ हमें विभाजित नहीं करनी चाहिए; वे हमें एकजुट होकर काम करने के लिए हमारी दृढ़ता को मजबूत करना चाहिए। एक शांतिपूर्ण दुनिया की शुरुआत हमारे अपने समुदायों में हर दिन किए गए चुनावों से होती है। हर संकट में कुछ मजबूत और अधिक लचीला बनाने का एक अवसर होता है। शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह न्याय, गरिमा और अवसर की उपस्थिति है। जब हम एक साथ खड़े होते हैं, तो कोई भी चुनौती असंभव नहीं होती।भविष्य आज किए गए कार्यों से आकार लेता है। आशा चुनें, शांति चुनें। आइए हम इस विश्वास से प्रेरित हों कि एक बेहतर, शांतिपूर्ण दुनिया संभव है। सच्ची प्रगति तब होती है जब हम मानवता की आवश्यकताओं को पहले रखते हैं।

सक्सेस मंत्र

असफलता में निराशा को रखें दूर

जिंदगी में सफल होने के लिए हर कोई काफी मेहनत करता है। लेकिन कई बार असफलता देखने को मिलती है। ऐसे में व्यक्ति निराशा का शिकार हो जाता है। लेकिन वही इंसान यदि दूसरे नजरिए से देखे तो पता चलता है कि हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें तजुर्बा देती हैं और गलतियां करने से बचाती हैं। इसलिए इंसान को कभी मायूस नहीं होना चाहिए, उसे मेहनत करते रहना चाहिए। एक दिन ऐसा आएगा कि मेहनत का फल सफलता में बदल जाएगा। ऐसी ही कहानी है एक मेहनती छात्र रोहित की। रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो। जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है। अध्यापक बोले ऐसा नहीं है और उन्होने एक दरवाजे की तरफ इशारा करते हुए कहा की एक बार जरा इस दरवाजे को खोल कर देखो। रोहित ने दरवाजे को खोला और देखा की सामने बड़े-बड़े टमाटरों के ढेर पड़े हुए थे। उसने पूछा की, ये सब कहां से आए? अध्यापक बोले, टमाटर के एक पौधे के खराब होने का मतलब यह नहीं है कि सभी पौधे खराब हो गए। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।

शख्सियत | प्रोफेसर बीरबल साहनी

भारतीय पुरावनस्पति विज्ञान के जनक

बीरबल साहनी भारतीय पुरावनस्पति विज्ञानी और पुरातत्वविद् थे, जिन्हें पौधों के जीवाश्मों और प्राचीन भारतीय वनस्पतियों पर किए गए उनके अग्रणी कार्यों के लिए जाना जाता है। उनका जन्म 14 नवंबर 1891 को शाहपुर (अब पाकिस्तान) में हुआ था। बीरबल साहनी का झुकाव विज्ञान की ओर बचपन से ही था और उनका परिवार भी शैक्षिक परिवेश से जुड़ा हुआ था, जिससे उन्हें प्रेरणा मिली।

बीरबल साहनी ने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और बाद में इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उनकी गहन रुचि पुरावनस्पति विज्ञान में थी, जिसके अंतर्गत वे प्राचीन काल के पौधों और उनके अवशेषों का अध्ययन करते थे। उन्होंने अपनी शिक्षा के दौरान प्रसिद्ध वैज्ञानिकों जैसे सर विलियम बेसेट से प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त किया, जिन्होंने उनके शोध कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साहनी ने भारत लौटने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग की स्थापना की और वहां अध्यापन कार्य किया। उनके नेतृत्व में, पुरावनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण शोध कार्य किए गए। उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों में पाए गए पौधों के जीवाश्मों का अध्ययन किया और उनके विकास, संरचना तथा भूगर्भीय समयों में उनके योगदान पर कई महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुत किए। साहनी ने कई महत्वपूर्ण जीवाश्म पौधों की पहचान की और उनकी खोजों ने भारत के भूगर्भीय इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए, उनके नाम पर 'बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पालेओबॉटनी' की स्थापना की गई, जो आज भी भारत में पुरावनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है। 10 अप्रैल 1949 को उनका निधन हो गया। बीरबल साहनी का योगदान न केवल भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य है, बल्कि उन्होंने पुरावनस्पति विज्ञान को नई दिशा और पहचान दी। उनके कार्यों से भारतीय भूगर्भीय विज्ञान में एक नई क्रांति आई, और वे आज भी विज्ञान जगत के लिए प्रेरणास्रोत

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

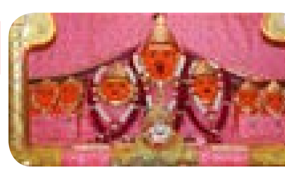

त्रिकालदर्शी थे महर्षि मतंग

राम मुस्कुराए- यहां तो आना ही था मां, कष्ट का क्या मोल/ मूल्य..

जानते हो राम! तुम्हारी प्रतीक्षा तब से कर रही हूँ, जब तुम जन्मे भी नहीं थे, यह भी नहीं जानती थी कि तुम कौन हो ? कैसे दिखते हो ? क्यों आओगे मेरे पास ? बस इतना ज्ञात था कि कोई पुरुषोत्तम आएगा, जो मेरी प्रतीक्षा का अंत करेगा।

राम ने कहा- ?तभी तो मेरे जन्म के पूर्व ही तय हो चुका था कि राम को शबरी के आश्रम में जाना है।"

एक बात बताऊँ प्रभु ! भक्ति में दो प्रकार की शरणागति होती है। पहली 'वानरी भाव' और दूसरी 'मार्जारी भाव'।

"बन्दर का बच्चा अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपनी माँ का पेट पकड़े रहता है, ताकि गिरे न... उसे सबसे अधिक भरोसा माँ पर ही होता है और वह उसे पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। यही भक्ति का भी एक भाव है, जिसमें भक्त अपने ईश्वर को पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। दिन रात उसकी आराधना करता है...!" (वानरी भाव)

पर मैंने यह भाव नहीं अपनाया। "मैं तो उस बिल्ली के बच्चे की भाँति थी, जो अपनी माँ को पकड़ता ही नहीं, बल्कि निश्चिन्त बैठा रहता है कि माँ है न, वह स्वयं ही मेरी रक्षा करेगी, और माँ सचमुच उसे अपने मुँह में टांग कर घूमती है। मैं भी निश्चिन्त थी कि तुम आओगे ही, तुम्हें क्या पकड़ना...। (मार्जारी भाव)

राम मुस्कुराकर रह गए!!

भीलनी ने पुनः कहा- सोच रही हूँ बुराई में भी तनिक अच्छाई छिपी होती है न... "कहाँ सुदूर उत्तर के तुम, कहाँ घोर दक्षिण में मैं!? तुम प्रतिष्ठित रघुकुल के भविष्य, मैं वन की भीलनी। यदि रावण का अंत नहीं करना होता तो तुम कहाँ से आते..?"

राम गम्भीर हुए और कहा-

भ्रम में न पड़ो मां! "राम क्या रावण का वध करने आया है..?"

रावण का वध तो लक्ष्मण अपने पैर से बाण चलाकर भी कर सकता है।

राम हजारों कोस चलकर इस गहन वन में आया है, तो केवल तुमसे मिलने आया है मां, ताकि "सहस्त्रों वर्षों के बाद भी, जब कोई भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करे तो इतिहास चिल्ला कर उत्तर दे, कि इस राष्ट्र को क्षत्रिय राम और उसकी भीलनी माँ ने मिलकर गढ़ा था।"

जब कोई भारत की परम्पराओं पर उँगली उठाये तो काल उसका गला पकड़कर कहे कि नहीं! यह एकमात्र ऐसी सभ्यता है जहाँ, एक राजपुत्र वन में प्रतीक्षा करती एक वनवासिनी से भेंट करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार करता है।

राम वन में बस इसलिए आया है, ताकि "जब युगों का इतिहास लिखा जाए, तो उसमें अंकित हो कि शासन/प्रशासन और सत्ता? जब पैदल चलकर वन में रहने वाले समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, तभी वह रामराज्य है।"

राम वन में इसलिए आया है, ताकि भविष्य स्मरण रखे कि प्रतीक्षाएँ अवश्य पूरी होती हैं। राम रावण को मारने भर के लिए नहीं आया है माँ!

माता शबरी एकटक राम को निहारती रहीं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप ने मस्क और रामास्वामी को सौंपी 'डॉज' की कमान

मस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज कर चुके डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक अहम घोषणा की। उन्होंने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और भारतवंशी विवेक रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशियंसी यानी सरकारी दक्षता विभाग (डॉज) की कमान सौंपी। डॉज नौकरशाही और सरकारी व्यवस्थाओं में कई प्रकार के बदलावों के लिए काम करेगा।

वीवो मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चीनी नागरिक को जमानत

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने वीवो मोबाइल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चीनी नागरिक गुआंगवेन उर्फ एंड्रयू को नियमित जमानत दे दी। एडमिन मैनेजर के तौर पर काम करने वाले एंड्रयू को अक्तूबर 2023 में 20 हजार करोड़ रुपए की इस कथित धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने तथ्यों, परिस्थितियों और हिरासत की अवधि पर विचार करते हुए आरोपी को जमानत दी। अदालत ने 11 नवंबर को आदेश दिया कि आवेदक केवल कर्मचारी है उसके खाते में वेतन के अलावा कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ है। मुकदमा अभी शुरू होना बाकी है, ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णयों को देखते हुए उसे नियमित जमानत दी जाती है। आवेदक 10 अक्तूबर, 2023 से न्यायिक हिरासत में है। उसे दो लाख रुपए के व्यक्तिगत बांड और समान राशि के दो जमानतदारों को प्रस्तुत करने पर जमानत दी गई है। उसे तुरंत पासपोर्ट सरेंडर करने और अदालत की अनुमति के बगैर देश न छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

तेलंगाना के पेद्दापल्ली में पटरी से उतरे मालगाड़ी के 11 डिब्बे, 20 ट्रेनें रद्द

पेदापल्ली। तेलंगाना के पेदापल्ली जिले में एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने की वजह से यहां रेल मार्ग बाधित हो गया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि करीब 20 यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया है। वहीं, 10 ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं। बताया गया है कि राघवपुरम से रामागुंडम जा रही मालगाड़ी की 11 बोगियां पटरी से उतर गईं। इनसे लौह अयस्क भेजा जा रहा था। मंगलवार रात को ही यह घटना हुई। इसके चलते दो ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया। फिलहाल ट्रैक के मरम्मत और इससे डिब्बों को हटाए जाने का काम जारी है।

तेलंगाना में अधिकारियों पर हमला मामले में 16 गिरफ्तार

विकाराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में एक गांव में अधिकारियों पर हमले के मामले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ग्रामीण प्रस्तावित दवा कंपनी के लिए अपनी जमीन का अधिग्रहण किए जाने का विरोध करने के लिए जमा हुए थे। पुलिस ने बताया कि सोमवार को हुए हमले में एडिशनल कलेक्टर, कोडांगल क्षेत्र विकास प्राधिकरण (केएडीए) के चेयरमैन और पुलिस के एक डीएसपी रैंक अधिकारी हमले में घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया कि जमीन अधिग्रहण को लेकर गांव के बाहर तेलंगना औद्योगिक अवसंरचना निगम के अधिकारी लोगों के विचार सुन रहे थे। इसी बीच बीआरएस युवा शाखा का नेता पहुंचा और कलेक्टर प्रतीक जैन से दूसरे गांव में चलकर वहां के लोगों की राय सुनने को कहा। कलेक्टर जब वहां अन्य अधिकारियों के साथ पहुंचे को भीड़ ने उन लोगों पर हमला कर दिया था।

महापौर और उप महापौर को लेकर आज होगा चुनाव

चुनाव के दौरान निगम में मोबाइल फोन ले जाने पर रहेगी रोक

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की गुरुवार को होने वाली बैठक में महापौर और उप महपौर के लिए चुनाव होगा। इस वर्ष अनुसूचित जाति(एससी) से महापौर पद के लिए चयन होगा। अप्रैल में आप और भाजपा के पार्षद महापौर और उप महापौर के चुनाव के लिए नामांकन कर चुके हैं।

बैलेट से होगा चुनाव

निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बैलेट पेपर के माध्यम से चुनाव होगा। इसके लिए बैलेट बॉक्स लगाए जाएंगे। सदन की बैठक में मोबाइल ले जाने पर रोक रहेगी। बता दें कि, सितंबर में स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव को लेकर सदन की बैठक में हंगामा हुआ था। सत्ता पक्ष के पार्षद मोबाइल की अनुमति न मिलने के चलते चुनाव प्रक्रिया से दूर रहे थे। स्थायी समिति के चुनाव का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे

चुनाव के मद्देनजर निगम मुख्यालय में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक रहेगी। दिल्ली पुलिस से लेकर अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा मार्शल भी तैनात रहेंगे। मुख्यालय में आईकार्ड दिखाने पर ही प्रवेश मिलेगा।

चुनाव न होने से बढ़ रहा है महापौर का कार्यकाल

बता दें कि, महापौर और उप महापौर का चुनाव अप्रैल महीने के लिए निर्धारित किया गया था। मगर, पीठासीन अधिकारी के नियुक्त न होने के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। दोनों पदों पर चुनाव कराने की जिम्मेदारी पीठासीन अधिकारी की होती है। चुनाव न होने के कारण मौजूदा महापौर और उप महापौर के कार्यकाल को अगले आदेश तक के लिए बढ़ाया गया था।

ये आजमा रहे अपना भाग्य

आम आदमी पार्टी

महापौर- महेश खींची

उपमहापौर- रविंद्र भारद्वाज

भाजपा

महापौर- कृष्ण लाल

उपमहापौर- नीता बिष्ट

मतदान में ये लेंगे हिस्सा

आम आदमी पार्टी - 125 पार्षद, 13 विधायक, 3 राज्यसभा सदस्य

भाजपा - 114 पार्षद, 1 विधायक, सात लोकसभा सांसद

कांग्रेस - 9 पार्षद

निर्दलीय - 1 पार्षद

कुल - 249 पार्षद

मां के दूध का व्यावसायीकरण रोकने का निर्देश दिया : केंद्र

कर्नाटक हाईकोर्ट को केंद्र सरकार ने दी जानकारी

एजेंसी । बेंगलुरु

केंद्र सरकार ने बुधवार को कर्नाटक हाईकोर्ट को बताया कि उसने राज्य में मां के दूध के व्यावसायीकरण के लिए जारी लाइसेंस रद्द करने के निर्देश दिए हैं। यह लाइसेंस निजी कंपनियों को मां का दूध एकत्र करने, प्रसंस्करण करने और व्यावसायीकरण की अनुमति देता है।

जनहित याचिका पर सुनवाई

हाईकोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इसमें मां के दूध के संग्रह और बिक्री से मुनाफा कमाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लेकर चिंता जताई गई है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अरविंद कामथ ने मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की पीठ को बताया कि केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने हाल ही में कर्नाटक सरकार को ऐसे लाइसेंसों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने कई लाइसेंस रद्द भी कर दिए हैं। कामथ ने बताया कि कुछ कंपनियों को शुरू में आयुर्वेदिक मानदंडों के तहत ये लाइसेंस मिले थे। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि ऐसे दूध की 50 एमएल की बोतल और पाउडर का 10 ग्राम का पैकेट क्रमशः 1,239 रुपए और 313 रुपए में बिक रहे हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को मामले में केंद्रीय मंत्रालय को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया और एक नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई चार दिसंबर को होगी।

मार्शलों की तैनाती को एलजी ने दी मंजूरी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए मार्शलों (सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स) की तैनाती को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही उन्होंने आप सरकार से एक बार फिर समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए एक ठोस योजना को तैयार करने को कहा है। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को देखते हुए और इसकी रोकथाम के प्रयासों को तेज करने के उद्देश्य से सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स की चार महीनों की अवधि के लिए तैनाती को मंजूरी दे दी है। यह तैनाती 28 फरवरी 2025 तक रहेगी।

प्रस्ताव को मंजूरी देने में 12 दिन की देरी

राजनिवास के अधिकारी ने बताया इस आशय के निर्देश पारित करने के बाद सरकार को प्रस्ताव को मंजूरी देने में 12 दिन की देरी हुई है। उप राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने नोट में बस मार्शलों की भूमिका, उनके औचित्य और सेवा शर्तों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने वाली इस योजना को कैबिनेट द्वारा अनुमोदित करने के लिए कहा है। इसके साथ ही बस मार्शलों के मुद्दे का तार्किक निष्कर्ष निकालने के लिए पदों के सृजन और बजटीय प्रावधान करने के लिए तत्काल कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट हुई जारी

टॉप नंबर पर भारत-पाकिस्तान के 2 शहर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत समेत दुनिया के अलग-अलग शहरों में लोगों को वायु प्रदूषण की वजह से सांस लेने में तकलीफ का सामना कर रहा है। दुनिया के सबसे प्रदूषित 121 देशों की सूची में भारत के तीन शहर हैं। इसमें राजधानी दिल्ली, कोलकाता और मुंबई है। स्विस फर्म आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग में 13 नवंबर को राजधानी दिल्ली पहले नंबर पर है। आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग देखने से पता चलता है कि 515 एक्यूआई के साथ दिल्ली पूरी दुनिया में सबसे प्रदूषित शहर है। हालांकि, भारत में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

कितना खराब एक्यूआई का स्तर?

आमतौर पर प्रदूषण का स्तर एयर क्वालिटी इंडेक्स या एक्यूआई के रूप में मापा जाता है। विदेशी मानकों के अनुसार 200 से अधिक एक्यूआई बहुत खराब स्तर का माना जाता है और 300 का स्तर गंभीर रूप से खराब स्थिति को दर्शाता है। अगर 0-50 के बीच में एक्यूआई का स्तर रहता है तो इसे अच्छा माना जाता है। 51-100 पाया गया तो मध्यम और 101-150 के बीच मिला तो संवेदनशील समूहों के लिए खराब हवा मानी जाती है। वहीं, 151 से 200 अगर एयर क्वालिटी इंडेक्स मिला तो ये खतरनाक होता है। इसके अलावा, 201-300 पाए जाने पर बहुत खतरनाक और अगर प्रदूषण स्तर 301 से अधिक पाया गया तो यह बहुत-बहुत खतरनाक है।

भारत के इन शहरों की हवा भी खतरनाक

रैंकिंग में 10वें स्थान पर 158 एक्यूआई के साथ मुंबई शहर है। उसके बाद कोलकाता का नंबर आता है, जहां एक्यूआई 136 रिकॉर्ड किया गया। आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान का शहर लाहौर है। यहां का एक्यूआई 432 है। वहीं, पड़ोसी देश का कराची शहर भी इस सूची का हिस्सा बना है। उसे 147 एक्यूआई के साथ 14वें नंबर पर रखा गया है।

तीसरे नंबर पर कौन से देश का शहर?

प्रदूषित शहरों में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के किंशासा को तीसरे नंबर पर रखा गया है। यहां का एक्यूआई 193 दर्ज किया गया है। वहीं, मिस्र के काहिरा को 184 की एक्यूआई के साथ चौथा स्थान मिला है। वहीं, आईक्यूएयर की वर्ल्ड लाइव रैंकिंग में पांचवें स्थान पर वियतनाम की राजधानी हनोई है। यहां का एक्यूआई लेवल 168 है। रैंकिंग में छठवें स्थान पर कतर देश का दोहा शहर है। यहां का एक्यूआई लेवल 166 है। इसके अलावा, सातवें नंबर पर सउदी अरब के रियाद को रखा गया है।

इन पर भी एक नजर

इंडेक्स में आठवें स्थान पर नेपाल की राजधान काठमांडू है, जहां का एक्यूआई लेवल 160 है। नौवें स्थान पर मंगोलिया का उल्लानबटार है। उल्लानबटार में बुधवार को एक्यूआई 158 है। बांग्लादेश की बात करें तो उसकी राजधानी ढाका को 17वें नंबर पर रखा है। यहां का एक्यूआई 122 है। चीन के सात शहरों की हवा काफी खराब पाई गई है।

इस साल अब तक 61 दहशतगर्द ढेर

▸▸ जम्मू-कश्मीर में 119 आतंकी सक्रिय, इनमें से अधिकांश पाकिस्तानी

एजेंसी । श्रीनगर

बीते कुछ समय से केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदातों में एक दम से इजाफा हो गया है। इसका कारण पाकिस्तान की ओर से भेजे जा रहे आतंकी हैं जो कि लगातार मारे भी जा रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि साल 2024 में ही जम्मू-कश्मीर में अब तक 61 आतंकियों को मार गिराया गया है। वहीं, इस बात की भी जानकारी सामने आ गई है कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में लगभग कितने आतंकवादी मौजूद हैं जो खतरनाक घटनाओं को अंजाम देने का मंसूबा रखे हैं।

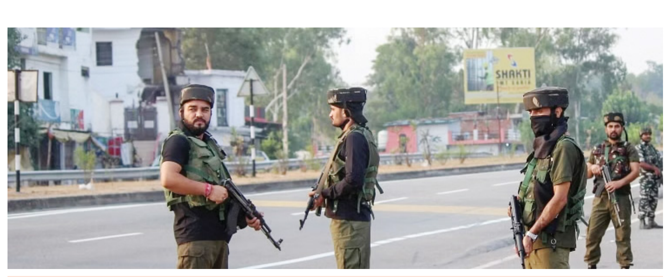

LOC और बॉर्डर कितनी लंबी?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर और भारत के बीच कश्मीर से 343.9 किलोमीटर और जम्मू से 224.5 किलोमीटर की LOC लगती है। वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच अखनूर से लेकर लखनपुर तक 209.8 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा है।

जम्मू-कश्मीर में कितने आतंकवादी मौजूद?

सामने आई जानकारी के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में लगभग 119 आतंकवादी मौजूद हैं। इनमें से 79 आतंकी कश्मीर क्षेत्र में हैं तो वहीं, 40 आतंकवादी जम्मू क्षेत्र में घुसे हुए हैं। आपको ये भी बता दें कि 119 आतंकवादियों में से ज्यादातर पाकिस्तानी आतंकवादी हैं। इनमें से 95 आतंकवादी पाकिस्तान के हैं। 61 पाकिस्तानी आतंकी कश्मीर तो वहीं, 34 पाकिस्तानी आतंकवादी जम्मू में हैं। वहीं, कश्मीर में 18 लोकल आतंकी और जम्मू में 6 आतंकी लोकल हैं।

अनपढ़-बेरोजगार लड़कों को आतंकी बना रहा पाक

जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान अपने गरीब और अनपढ़ लड़कों का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए कर रहा है। पाकिस्तानी सेना की एसएसजी और आईएसआई अनपढ़ लड़कों को आतंकी बनाकर भारत में घुसपैठ कराने की कोशिश में है और करवा भी रही है। एप और सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान के अनपढ़ लड़कों को आतंकी बनाने के लिए उकसाया जा रहा है। पाकिस्तान कम पैसों में अपने ही बेरोजगार और अनपढ़ लड़कों को आतंकी बनने की ट्रेनिंग देकर भारत में घुसपैठ करवा रहा है। इस तरह के अनपढ़ लड़कों को 10-15 हजार रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा है।

छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति रद्द

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने बुधवार को छह मुख्य संसदीय सचिवों (सीपीएस) की नियुक्ति को रद्द कर दिया। साथ ही हिमाचल प्रदेश संसदीय सचिव (नियुक्ति, वेतन, भत्ते, शक्तियां, विशेषाधिकार और संशोधन) अधिनियम, 2006 को अवैध करार दिया। इसी अधिनियम के तहत ये नियुक्तियां की गई थीं। न्यायमूर्ति विवेक ठाकुर और न्यायमूर्ति बीसी नेगी की खंडपीठ ने यह भी निर्देश दिया कि इन सचिवों की सभी सुविधाएं और विशेषाधिकार तत्काल प्रभाव से वापस ले लिए जाएं।

विकास कार्य › नई रेल लाइन से दिल्ली-मुंबई की ओर जाने वाली ट्रेनों के 5 घंटे बचेंगे

दरभंगा से शुरू हुई 1740 करोड़ की रेल परियोजना

एजेंसी । दरभंगा

पीएम मोदी ने बुधवार को दरभंगा से 12 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया। इसमें 1740 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण भी पीएम के द्वारा किया गया। इसके अलावा बिहार में करीब 5,070 करोड़ रुपए की लागत वाली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने समस्तीपुर रेलमंडल के झंझारपुर और लौकहा बाजार रेलखंड पर दो जोड़ी नई ट्रेनों के परिचालन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन संख्या 05201/02 झंझारपुर लौकहा बाजार पैसेंजर और ट्रेन सं. 05203/04 झंझारपुर-लौकहा बाजार पैसेंजर इस खंड पर चलेगी।

4 से 5 घंटे बचेंगे

नया बाईपास रेलवे हॉल्ट बनने से गोरखपुर जाने वाली ट्रेनों को दरभंगा रेलवे स्टेशन से घूमकर जाने की समस्या खत्म हो जाएगी। इस रेल लाइन के बन जाने से मिथिला क्षेत्र और उत्तरी बिहार के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए रेल यातायात की सुविधा बढ़ेगी। इस रूट से जयनगर, निर्मली सरायगढ़ से दिल्ली मुंबई की तरफ जाने वाली ट्रेनों के 4 से 5 घंटे बचेंगे।

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने रेलवे ट्रैक का जायजा लिया

समस्तीपुर स्टेशन पर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ सतीश कुमार ने रेल यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेल परिचालन से संबंधित चीजों की बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने पैंट पॉइंट से लेकर ट्रेन परिचालन तक की गहन जांच की। चेयरमैन ने बताया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। इसलिए हमने ग्राउंड पर आकर देखा है कि हम रेलवे बोर्ड के स्तर से क्या-क्या मदद कर सकते हैं। हम सेफ्टी इंस्पेक्शन के साथ ड्राइवर की काउंसिलिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

बिहारवासियों को मिलेगा फायदा

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ सतीश कुमार ने बताया कि इन रेल परियोजनाओं से बिहारवासियों को लाभ पहुंचेगा। इससे रेल यात्रियों की सुविधा में बढ़ोतरी होने के साथ व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी के द्वारा राष्ट्र को समर्पण होने वाले परियोजनाओं में कुमार बाग-चनपटिया साठी-रेल लाइन का दोहरीकरण, नव आमान परिवर्तित झंझारपुर-लौकहा बाजार रेलखंड, समस्तीपुर स्टेशन पर नवनिर्मित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, नवनिर्मित दरभंगा बाईपास रेलवे लाइन, हरिनगर- भैरोगंज रेल लाइन का दोहरीकरण शामिल है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

गवर्नर ने ममता सरकार से रिपोर्ट मांगी

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर केस में आरोपी संजय रॉय ने पूर्व कमिश्नर पर खुद को फंसाए जाने के आरोप लगाए थे। इस मामले में पश्चिम बंगाल के गवर्नर सी वी आनंद बोस ने CM ममता बनर्जी से रिपोर्ट मांगी है। 11 नवंबर को सियालदह कोर्ट में पेशी के बाद संजय रॉय ने चीखते हुए मीडिया से कहा था कि उसे फंसाया गया है। कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने उसके खिलाफ साजिश रची है। साजिश में दूसरे बड़े अफसर भी शामिल हैं। मामले में संज्ञान लेते हुए गवर्नर ने CM को जांच कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं। साथ ही सरकार का पक्ष भी बताने को कहा है। जूनियर डॉक्टरों की मांग के चलते विनीत गोयल को पद से हटा दिया गया है।

ममता सरकार पर भी लगाए थे आरोप

इससे पहले 4 नवंबर को संजय ने पहली बार ममता सरकार पर आरोप लगाया था। सियालदह कोर्ट में पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है

खबर संक्षेप

IT सेक्टर में 1000 करोड़ के निवेश की संभावना

चंडीगढ़। नैसकॉम की तरफ से चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय एसएमई परिषद की बैठक में 25 से अधिक आईटी क्षेत्र की कंपनियों ने बिहार में निवेश करने में रुचि दिखाई है। इस बैठक में देश भर से आईटी और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शीर्ष उद्यमियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। बिहार सरकार की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विशेष सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने इस बैठक में भाग लिया और राज्य में आईटी क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं का प्रस्तुतिकरण दिया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बिहार की आईटी नीति के तहत इस वर्ष 1000 करोड़ से अधिक का निवेश होने की उम्मीद है। इसके लिए अब तक 25 आईटी कंपनियों ने विभाग में निबंधन कराया है। इससे बिहार में बड़े पैमाने पर आईटी क्षेत्र में रोजगार सृजन की संभावना बढ़ गई है। विशेष सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि अगले एक साल के अंदर राज्य में एक हजार से अधिक आईटी पेशेवरों को रोजगार दिया जाएगा। बैठक में टेक्नोलॉजी में निवेश और अन्वेषण पर व्यापक चर्चा हुई। विशेष सचिव अरविंद चौधरी ने उद्यमियों को बिहार में मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह बिहार में आईटी क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने उद्यमियों को बिहार की आईटी नीति और उद्योगों को दिए जाने वाले प्रोत्साहनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूर्व मंत्री सधनु भगत का हुआ निधन

लोहरदगा। लोहरदगा के पूर्व विधायक एवं झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सधनु भगत का निधन हो गया। बुधवार 13 नवंबर को सुबह 9:00 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। सधनू भगत का जन्म 19 जनवरी 1946 को हुआ था। सधनु भगत एकीकृत बिहार में वर्ष 1995 में पहली बार लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने थे। दूसरी बार सधनु भगत ने लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की टिकट पर जीत सुनिश्चित की और 15 नवंबर 2000 को झारखंड अलग होने के बाद झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बने। अपने नेता के निधन की सूचना पर बडी संख्या में लोग लोहरदगा ब्लॉक के पास स्थित आवास में पहुंचे और शोक व्यक्त किया। सधनु भगत पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन पर लोगों ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि सधनु भगत सादगी के लिए जाने जाते थे और उनकी व्यवहार कुशलता के सभी कायल थे।मंत्री डॉ।रामेश्वर उरांव उनकी निधन की सूचना मिलते ही सधनु भगत के आवास पहुंचे और परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया।

बदायूं में गंगा तट पर बसा आस्था का नगर

आज से उमड़ेगी भीड़, 15 नवंबर को मुख्य स्नान

एजेंसी | बदायूं

बदायूं के कादरचौक में रुहेलखंड के ऐतिहासिक ककोड़ा मेले का उद्घाटन बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा करेंगे। इसको लेकर जिला पंचायत की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। मेले में आसपास के जिले से लोग आना शुरू हो गए हैं। बृहस्पतिवार रात तक यहां करीब तीन-चार लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मिनी कुंभ के नाम से प्रख्यात ककोड़ा मेले की शुरुआत झंडी पहुंचने के साथ ही आठ नवंबर से हो चुकी है, लेकिन इसका विधिवत उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा बृहस्पतिवार 14 नवंबर को करेंगे। उनके साथ में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य भी मौजूद रहेंगे। दोपहर तीन बजे सरकारी प्रदर्शनी और शाम पांच बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा शाम छह बजे कठपुतली नृत्य, रात सात बजे काला जादू दिखाया जाएगा। 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मेले में मुख्य स्नान होगा।

साधु-संन्यासी को बांटी खिचड़ी

देवोत्थानी एकादशी का व्रत करने वालों ने बुधवार सुबह गंगा स्नान किया। साधु-संतों को खिचड़ी दान की। खिचड़ी भोज भी कराया गया। मेले में आए लोगों ने मेले में ही खिचड़ी बनाई व साधुओं को खिचड़ी भोज कराया।

सुसज्जित नाव से लोग कर रहे नौकायन

गंगा में लगभग 20 मोटरवोट सुसज्जित आने से लोग नौकाविहार कर गंगा मैया में आनंद ले रहे हैं। कुछ लोग इन नाव से उस पार भी जाकर स्नान करते हैं जो कि सुरक्षा कारणों से उचित नहीं है। उस पार कोई प्रशासनिक व्यवस्था नहीं है। उस पार का क्षेत्र कासगंज का है, हालांकि मेला भी कासगंज क्षेत्र में लगा है।

मेले में लगाए 50 सीसी कैमरे, वॉच टॉवर का काम भी पूरा

मेला में सुरक्षा की दृष्टि से 50 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। हालांकि, अब तक मोबाइल और इंटरनेट नेटवर्क के लिए पोर्टेबल मोबाइल टावर नहीं लग सके हैं। कुछ स्थानों पर मेला मार्गों का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। सभी स्थानों पर वॉच टावर बनाने का काम पूरा कर लिया गया है।

तीन सीओ संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

ककोड़ा मेले में कोतवाली बना दी गई है। वेदपाल को कोतवाल बनाया गया है। मेले में तीन सीओ, 80 दरोगा, 100 हेड कांस्टेबिल, 400 होमगार्ड, 30 महिला पुलिसकर्मी, 10 घुड़सवार पुलिसकर्मी, एक जल पीएसी प्लाटून, 15 पुलिस चौकी, 14 पुलिस पिकेट, 30 गोताखोर और 25 जल पुलिस के गोताखोर तैनात रहेंगे। अधिकारियों ने बैठक करके पुलिसकर्मियों को उनके कार्यों के बारे में विस्तार से निर्देशित किया गया है। कुछ पुलिसकर्मी कासगंज मार्ग से लेकर मेला मार्ग पर तैनात रहेंगे। कुछ पार्किंग की व्यवस्था तो कुछ घाट पर सादा कपड़ों में तैनात रहेंगे।

मेले का मुख्यद्वार अब तक तैयार नहीं

ककोड़ा मेले का मुख्यद्वार अब तैयार नहीं हो सका है। कई स्थानों पर अस्थायी सड़कें भी दलदली हो गईं हैं। वीआईपी इलाके में भी अव्यवस्थाएं हैं। हालांकि चौबीस घंटे युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। जिला पंचायत के एएमए मासूम रजा ने बताया कि बुधवार रात में ही मुख्यद्वार का काम पूरा कर लिया जाएगा। मेला ककोड़ा में बदायूं से स्काउट-गाइड पहुंच गए हैं। स्काउट-गाइड की तरफ से यहां खोया-पाया बच्चों की जानकारी के लिए शिविर लगाया जाएगा। स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला मुख्यायुक्त महेश चंद्र सक्सेना ने हरी झंडी दिखाकर स्काउट्स और गाइड्स को मेला ककोड़ा के लिए रवाना किया। गंगा में गहराई वाले स्थानों पर बेरीकेडिंग करने के साथ ही चेतावनी के लिए लाल झंडियां लगाई गईं हैं।

प्रतापगढ़ में बिजली विभाग की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी | उड़ैयाडीह

यूपी के प्रतापगढ़ में उड़ैयाडीह के विद्युत उपखंड पट्टी एसडीओ एसबी प्रसाद और विजिलेंस टीम ने संयुक्त रूप से बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। इस अभियान में 36 बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए और 70 हजार की वसूली की गई। अचानक बिजली विभाग और विजिलेंस टीम की कार्रवाई से गांव में अफरा-तफरी का माहौल रहा। बिजली विभाग की टीम में विद्युत उपकेंद्र उड़ैयाडीह के अवर अभियंता जयराज राजपूत, शैलेंद्र यादव की टीम ने दिलीपपुर के सरखेलपुर गांव में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसमें 36 बड़े बकायेदारों का कनेक्शन काटकर नोटिस दी गई। 70 हजार रुपये की राजस्व वसूली भी की गई। बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ विजिलेंस टीम के प्रभारी निरीक्षक राम आशीष, जेई मनोज कुमार पटेल, उप निरीक्षक राम अभिलाष मौर्य, गोविंद पाल, राजकिशोर यादव ने बिजली उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल जमा करने की चेतावनी दी। जागरण संवाददाता, प्रयागराज। करेली उपखंड से संबंधित करामत की चौकी, गौसनगर में जांच अभियान के दौरान 19 बिजली चोरी के मामले पकड़े गए। इसमें तीन उपभोक्ता ऐसे थे, जिन्होंने फ्यूज के पास से तार काटकर बाईपास किया था। यहीं पर दूसरा फ्यूज भी लगा दिया था, ताकि बाईपास किसी को नजर न आए। करेली उपखंड के एसडीओ राजवीर कटारिया ने सभी के खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। करामत की चौकी, गौसनगर में उपखंड अधिकारी राजवीर कटारिया के नेतृत्व में अवर अभियंता प्रमोद कुमार, अभिनव, साबिर मंगलवार भोर में जांच के लिए पहुंचे। यहां 16 घरों में एलटी लाइन से सीधे कटियामारी की गई थी। वहीं, तीन मीटरों में नीचे लगे फ्यूज के पास तार काटकर बाईपास किया गया था।

कानपुर में केशव ने अखिलेश को बताया माफिया का सरगना

एजेंसी | कानपुर

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सीसामऊ में भाजपा प्रत्याशी सुरेश अवस्थी के समर्थन में कहा कि 2022 का बदला लेने का मौका 2024 में मिल गया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व सांसद रमेश अवस्थी दिल्ली से विकास का पैसा लाएंगे। सपा को वोट देना मतलब कुएं में वोट डालना है और कमल पर वोट का देना मतलब लक्ष्मी जी आएंगी। सपा पर हमलावर होते हुए केशव ने कहा कि सपा की साइकिल पंचर हो गई है, उसे सैफई के गैराज भेज देंगे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव माफिया के सरगना हैं, जब कि योगी सरकार बनने के बाद प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ। केशव ने कहा

कि लोकसभा चुनाव में कुछ सीटें मिलीं तो सपा गुब्बारा जैसी फूल गई। 2024 के बाद हरियाणा में भाजपा तीसरी बार जीती। कांग्रेस मुक्त भारत व सपा मुक्त उत्तर प्रदेश का संदेश दिया। 2027 में फिर तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी, जिसके लिए यह उपचुनाव आया है। केशव प्रसाद ने दावा किया भाजपा इस बार करहल भी जीत रही है। सीसामऊ जीत रहे हैं। लखनऊ तक संदेश है कि सुरेश लखनऊ जाएंगे। उन्होंने कहा कि केशव आपका सिर झुकने नहीं देंगे।

बिजली चोरी में बारह लोगों पर मुकदमा दर्ज

आजमगढ़। विद्युत उपकेंद्र बिलरियागंज नगर क्षेत्र के अंतर्गत अय्यूब नगर, राहुल नगर, इकराम नगर में बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी तुषार श्रीवास्तव के नेतृत्व में अवर अभियंता आशुतोष यादव और विजिलेंस की टीम ने बकायेदारों व बिजली चोरी के खिलाफ जांच अभियान चलाया। जांच अभियान के दौरान 61 बिजली बकायेदारों का कनेक्शन काटा। वहीं 12 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया। विद्युत विभाग की टीम ने कई उपभोक्ताओं का बिजली लोड, मीटर आदि की जांच की।

हत्याकांड के 21 साल बाद कोर्ट ने सुनाई सजा

एजेंसी | सासाराम

सासाराम कोर्ट ने 21 वर्ष पूर्व हुए संझौली के चर्चित तिहरे हत्याकांड से जुड़े मामले में 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, इसके साथ ही एक-एक लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया है। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम शैलेंद्र कुमार पंडा की अदालत ने सुदामा पासवान, नाखून धोबी, त्रिभुवन बैठा, शिवपर्सन धोबी, शिवकुमार धोबी, मालिक राम, शालिक राम, जयेंद्र राम, बेचन महतो और छेदी धोबी को सजा सुनायी है। ये सभी दोषसिद्ध अभियुक्त संझौली स्थित तिलई निवासी है। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता अपर लोक

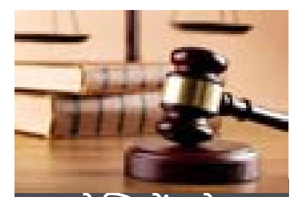

10 दोषियों को आजीवन कारावास

अभियोजक अशोक बैठा ने बताया कि इस मामले की प्राथमिकी 21 वर्ष पूर्व संझौली थाना कांड संख्या 01/2003 के तहत दर्ज की गयी थी। इसमें सूचक बबन सिंह के आवेदन के आधार पर 13 लोगों को आरोपित बनाया गया था। इसका ट्रायल सत्रवाद संख्या 231/2003 में चल रहा था। घटना चार जनवरी 2003 को तिलई गांव के बधार में शाम छह बजे हुई थी, जहां पुराने जमीन विवाद को लेकर 13 अभियुक्तों द्वारा मिल-जुलकर तिलई गांव के ही पिंटू सिंह, शिवाजी सिंह और विजय सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। इस मामले के दो अभियुक्तों की ट्रायल के दौरान ही मौत हो गयी थी। वहीं, एक अभियुक्त भोला बैठा को कोर्ट ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में रिहा करने का आदेश जारी किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से इस मामले में कुल 12 गवाहों की गवाही न्यायालय में दर्ज करायी गयी थी। इसके बाद कोर्ट ने इन सभी अभियुक्तों को सजा सुनायी है।

व्यापार जगत

10 साल में भारतीय-परिवारों की संपत्ति ₹717 लाख करोड़ बढ़ी

- इसमें 11% कमाई शेयर बाजार से
- लॉन्ग-टर्म में इक्विटी में निवेश ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय निवेशकों ने प्रॉपर्टी और गोल्ड से रिटर्न के मुकाबले इक्विटी में निवेश कर ज्यादा कमाई की है। पिछले 25 साल के बीच किसी भी 5 साल की अवधि में इक्विटी में निवेश ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं, बीते एक दशक में भारतीय परिवारों की संपत्ति में करीब 717 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इसमें से लगभग 11% की हिस्सेदारी इक्विटी से हुए इनकम का है। अमेरिकी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली की स्टडी में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 5 साल, 10 साल, 15 साल, 20 साल और 25 साल की अवधि में भारतीय इक्विटी (BSE सेंसेक्स) से मिलने वाला रिटर्न रियल एस्टेट, गोल्ड, 10 साल की ट्रेजरी और बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) जैसे अन्य एसेट क्लास से बेहतर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इक्विटी ने 25 साल के पीरियड में 15% कंपाउंडेड एनुअल प्री-टैक्स रिटर्न (CAGR) दिया है। वहीं, गोल्ड ने 11.1%, बैंक FD ने 7.3% और देश के सात बड़े शहरों में प्रॉपर्टी या रियल एस्टेट की वैल्यू 7% बढ़ी है।

मॉर्गन स्टेनली के रिपोर्ट की बड़ी बातें...

- भारतीय परिवारों ने 10 साल में शेयर बाजार से करीब 84 लाख करोड़ रुपए की कमाई की। इसके लिए उन्होंने केवल 3% इन्वेस्टमेंट किया।
- नई कंपनीज के फाउंडर्स को मिलाकर इंडियन फैमिलीज ने 10 साल में 819 लाख करोड़ रुपए की कमाई की।
- इक्विटी शेयरों से हुई इनकम की हिस्सेदारी करीब 1 लाख करोड़ रुपए यानी 20% रही। यानी प्रमोटर्स ने भी करीब 84 लाख करोड़ रुपए कमाए।
- इक्विटी निवेशकों को यह रिटर्न पाने के लिए 30.7% के हाई वोलैटिलिटी का सामना करना पड़ा। जबकि गोल्ड में 11.3% और बैंक FD में 1.6% का उतार-चढ़ाव रहा।

सेंसेक्स 984 अंक गिरकर 77,690 पर बंद

निफ्टी भी 324 अंक गिरा, BSE स्मॉलकैप 1,651 अंक टूटा

एजेंसी | मुंबई

सेंसेक्स 13 नवंबर को 984 अंक गिरकर 77,690 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 324 अंक की गिरावट रही, ये 23,559 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉलकैप 1,651 अंक गिरकर 51,952 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट और 4 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 44 में गिरावट और 6 में तेजी रही। NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली।

संदुर मैंगनीज ने अरजस स्टील को एक्वायर किया

प्राइवेट सेक्टर कंपनी संदुर मैंगनीज एंड आयरन ओर्स लिमिटेड (SMIORE) ने स्टील कंपनी, अरजस स्टील प्राइवेट लिमिटेड का स्ट्रैटजिक बिजनेस एक्विजिशन 11 नवंबर को किया। दोनों कंपनियों के बीच यह डील इसी साल अप्रैल में हुआ था।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार रहा

- HDFC बैंक, रिलायंस, ICICI बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बाजार को सबसे ज्यादा नीचे गिराया। जबकि, NTPC, टाटा मोटर्स और इंफोसिस ने बाजार को ऊपर खींचा।
- एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.66% की गिरावट रही। वहीं कोरिया का कोस्पी 2.64% की गिरावट और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.51% की तेजी के साथ बंद हुआ।

एक साल में 78% चढ़ा है SMIORE का सेयर

कंपनी का शेयर आज (बुधवार, 13 नवंबर) 1.84% ऊपर 435 के स्तर पर बंद हुआ। SMIORE के शेयर ने बीते एक साल में 78.06% का रिटर्न दिया है। लेकिन, पिछले एक महीने में इसका शेयर 9.69%, 6 महीने में 9.94% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 5.06% गिरा है।

गोदरेज ने एडवांटिस LOT9 स्मार्ट लॉक का किया अनावरण

एजेंसी | मुंबई

गोदरेज एंड बॉयस के लॉक्स और आर्किटेक्चरल फिटिंग्स और सिस्टम बिजनेस, जो गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का एक हिस्सा है, और जिसे भरोसे, गुणवत्ता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, ने आज होम सेफ्टी डे 2024 मनाया, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में घरेलू सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना है। इस दिवस को मनाने के साथ ही, ब्रांड ने मजबूती से 'माय होम सेफ्टी

प्लान' के लॉन्च की भी घोषणा की, जो परिवारों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई दो-भागों की पहल है। 'फियर इज गुड' कैंपेन के साथ, यह पहल गृहस्वामियों को सक्रिय सुरक्षा उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस पहल के हिस्से के रूप में, कंपनी ने अत्याधुनिक एडवांटिस LOT9 स्मार्ट लॉक भी पेश किया, जिसने इस साल भारत में घरेलू सुरक्षा के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। हाल ही में लॉन्च किया गया एडवांटिस LOT9 गोदरेज की स्मार्ट लॉक रेंज में सबसे उन्नत और अनूठा प्रोडक्ट है, जिसमें भारतीय घरों के लिए अत्याधुनिक और भविष्य की घरेलू सुरक्षा तकनीक को शामिल किया गया है।

स्विगी का शेयर 7.69% ऊपर ₹420 पर लिस्ट

एजेंसी | मुंबई

स्विगी लिमिटेड और ACME सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड के शेयर आज (13 नवंबर) स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो गए हैं। NSE पर स्विगी का शेयर इश्यू प्राइस से 7.69% ऊपर 420 पर लिस्ट हुआ। BSE पर ये इश्यू प्राइस से 5.64% ऊपर 412 पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 390 प्रति शेयर था। दिनभर के कारोबार के बाद शेयर इश्यू प्राइस से 16.91% की तेजी के साथ 455.95 पर बंद हुआ। वहीं, ACME सोलर होल्डिंग्स का शेयर NSE पर इश्यू प्राइस से 13.15% नीचे 251 पर लिस्ट हुआ। BSE पर ये शेयर इश्यू प्राइस से 10.38% नीचे 259 पर लिस्ट हुआ। ACME सोलर होल्डिंग्स के इनिशियल पब्लिक ऑफर का इश्यू प्राइस 289 प्रति शेयर था। दिनभर के कारोबार के बाद यह इश्यू प्राइस से 12.28% की गिरावट के साथ 253.50 पर बंद हुआ। स्विगी लिमिटेड का ये IPO टोटल 11,327.43 करोड़ का था। इसके लिए कंपनी 4,499 करोड़ के 11,53,58,974 फ्रेश शेयर इश्यू किए। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 6,828.43 करोड़ के 17,50,87,863 शेयर बेचे। स्विगी की लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के करीब 500 कर्मचारी करोड़पति बन गए हैं। ये वो कर्मचारी हैं, जिन्हें लिस्टिंग के पहले ही एक खास स्कीम के तहत बड़े पैमाने पर कंपनी के शेयर जारी किए गए थे। स्विगी 2015, 2021 और 2024 में तीन बार एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन स्कीम (ईसोप) लेकर आई थी। ईसोप के तहत 4,000 से ज्यादा कर्मचारियों को कंपनी में छोटी-छोटी हिस्सेदारी दी गई थी। ये कंपनी के करीब 23 करोड़ शेयरों के बराबर हैं।

बॉर्डर-गावस्कर

पर्थ में 22 नवंबर से शुरू होगा पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला

भारतीय ऑफ स्पिनर ने स्टीव को फिरकी में फंसाने के लिए की खास तैयारी

अश्विन के निशाने पर होंगे स्मिथ

भारत के खिलाफ स्टीव का प्रदर्शन

मैच	रन	सर्वोच्च	औसत	50/100
19	2042	192	65.87	09/05

AUS के खिलाफ अश्विन का प्रदर्शन

मैच	विकेट	सर्वश्रेष्ठ	इकोनॉमी	पांच विकेट
10	39	55/4	2.93	00

नंबर गेम

- 348 रन बनाए थे स्मिथ ने अश्विन के खिलाफ 570 गेंदों का सामना कर
- 3 बार इस दौरान अश्विन इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को आउट कर पाए

एजेंसी । चेन्नई

डेविड वॉर्नर के लाल गेंद क्रिकेट से संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ को ओपनिंग में आजमाया पर यह दिग्गज बल्लेबाज इस क्रम पर फिट नहीं बैठा। अब भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए स्मिथ फिर से अपने पसंदीदा चार नंबर क्रम पर उतरेंगे। भारत के खिलाफ स्मिथ का रिकॉर्ड काफी शानदार है। टीम इंडिया जब 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया गई थी तो भारतीय ऑफ रविचंद्रन अश्विन ने उन्हें अपनी फिरकी से काफी तंग किया था। उन्होंने पांच पारियों में तीन बार स्मिथ को आउट किया था। इस बार भी अश्विन के निशाने पर स्मिथ होंगे। इसके लिए चेन्नई के 38 वर्षीय अश्विन ने खास तैयारी की है। इन दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता एक दशक पुरानी है। पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा।

स्पिन के खिलाफ अच्छी रणनीति

अश्विन ने '7क्रिकेट' को दिए साक्षात्कार में कहा, स्मिथ स्पिन के खिलाफ एक खिलाड़ी के रूप में विशेष रूप से आकर्षक हैं। उनके पास एक अनूठी तकनीक है, यहां तक कि तेज गेंदबाजी को खेलने की भी। लेकिन स्पिन के मामले में मुझे लगता है कि वह अच्छी रणनीति और अच्छी तैयारी के साथ आया था और हां, वह इसे किसी भी परिस्थिति में लागू करता था। और पिछले कुछ वर्षों में मैंने इसे समझने के तरीके और साधन खोज लिए हैं।

आईपीएल में खेल चुके हैं साथ

अश्विन और स्मिथ आईपीएल फ्रेंचाइजी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट (आरपीएसजी) और दिल्ली कैपिटल्स में एक साथ समय बिता चुके हैं। इससे भारतीय स्पिनर को स्मिथ की रणनीति को समझने में मदद मिली। अश्विन ने कहा, जब वह दिल्ली कैपिटल्स और आरपीएसजी में रहा, वे सभी नेट सत्र जो मैंने उसके साथ बिताए उससे मुझे यह समझ में आया कि वह कैसे तैयारी करता है। उसे क्या पसंद है और क्या नहीं।

बहुत सोचने वाला खिलाड़ी

अश्विन ने कहा, वह बहुत सोचने वाला क्रिकेटर भी है। वह हर समय आपसे बेहतर प्रदर्शन करना चाहता है। उसके पास अभ्यास करने और मैदान में आपका सामना करने के अनोखे तरीके हैं। और कभी-कभी एक गेंदबाज के तौर पर जब आप बल्लेबाज को उसकी प्रक्रिया से गुजरते हुए देखते हैं तो आप पहचान लेते हैं कि कमी कहां है। लेकिन बहुत बाद में जब मुझे लगता है कि मैंने समझ लिया है कि वह क्या करता है या कैसे बल्लेबाजी करता है तो मैं उससे आगे निकल जाता हूं।

स्टीव का रास नहीं आई ओपनिंग

आधुनिक समय के महान बल्लेबाजों में शुमार स्टीव स्मिथ ओपनिंग रास नहीं आई। सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका प्रदर्शन खराब रहा। वह चार टेस्ट की आठ पारियों में 28.50 की औसत से एक अर्धशतक से मात्र 171 रन बना पाए। अब वह एक बार फिर बड़ी पारियां खेलने के लिए बेताब होंगे।

कुंबले को पीछे छोड़ सकते हैं अश्विन

अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया में 2.93 की इकोनॉमी से 39 विकेट चटकाए हैं। वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीयों में तीसरे नंबर पर हैं। पांच मैचों की सीरीज में अगर वह 12 और विकेट चटका लेंगे तो वह दिग्गज अनिल कुंबले (49 विकेट) को पीछे छोड़ देंगे। अभी तक सिर्फ कपिल देव (51) ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर विकेटों का अर्धशतक लगाने वाले एकमात्र भारतीय हैं।

नाथन-अश्विन में जंग

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में तीन गेंदबाज ही विकेटों का शतक लगा पाए हैं। इनमें दो भारतीय और एक ऑस्ट्रेलियाई है। अश्विन (114) और नाथन लियोन (121) के बीच आगे निकले ही होड़ हैं। कुंबले (111 विकेट) तीसरे नंबर पर हैं।

फिंच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

पंत और कैरी की भूमिका होगी महत्वपूर्ण : फिंच

- 07वें नंबर पर एलेक्स और छठे नंबर पर ऋषभ अहम रहेंगे
- 14 मैच में पंत 56.28 की औसत से 1,407 रन बना चुके हैं

एजेंसी । सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का नतीजा तय करने में ऋषभ पंत और एलेक्स कैरी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। दूसरी ओर पूर्व विकेटकीपर ब्रैड हैडिन को लगता है कि भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ेगा।

वापसी करने में सक्षम

फिंच को लगता है कि दोनों विकेटकीपर शीर्ष क्रम के नहीं चल पाने पर अपनी टीमों को वापसी दिलाने की क्षमता रखते हैं। फिंच ने 'विलो टॉक पॉडकास्ट पर कहा, मुझे लगता है कि सीरीज में जब किसी समय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं चल पाएंगे तब एलेक्स और ऋषभ की भूमिका अहम होगी। दोनों तेज गेंदबाजी आक्रमण को अच्छी तरह खेलते हैं।

कंगारू तिकड़ी भारी पड़ेगी

दूसरी तरफ हैडिन का मानना है कि पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी उछाल भरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करेगी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारतीय बल्लेबाज हमारे तेज गेंदबाजों के सामने टिक पाएंगे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अगर पर्थ में पहले टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल या अभिमन्यु ईश्वरन पारी शुरू करेंगे। जायसवाल ने अभी तक 14 मैच में 56.28 की शानदार औसत से 1,407 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और आठ अर्द्धशतक शामिल हैं। लेकिन हैडिन को लगता है कि जायसवाल की असली परीक्षा ऑस्ट्रेलिया में होगी। उन्होंने कहा, वह अच्छा बल्लेबाज है लेकिन उसने इससे पहले कभी ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं किया है। इसलिए यह देखना अभी बाकी है कि वह उछाल लेती पिचों पर कैसा प्रदर्शन करता है।

बीजेके कप फाइनल्स : खराब मौसम से मुकाबला स्थगित

एजेंसी । मलागा

स्पेन और पोलैंड के बीच बिली जीन किंग (बीजेके) कप फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के बुधवार को होने वाले पहले मुकाबले को मलागा क्षेत्र में खराब मौसम की भविष्यवाणी के कारण स्थगित कर दिया गया। आयोजकों ने कहा कि सभी प्रतिभागियों और प्रशंसकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के मार्गदर्शन में यह फैसला किया गया। पहले दौर का मुकाबला अब शुक्रवार खेला जाएगा जिस दिन जर्मनी की टीम भी ब्रिटेन से भिड़ेगी। गुरुवार को जापान और रोमानिया तथा स्लोवाकिया और अमेरिका के बीच मुकाबले होने हैं। बिली जीन कप फानइल्स और डेविस कप फाइनल्स दोनों का आयोजन दक्षिण स्पेन के इस शहर में हो रहा है।

आईसीसी भारत-पाक को बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी नहीं दे : लतीफ

- आईसीसी की सुरक्षा टीम ने आकलन में उनके देश को सुरक्षित माना

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज राशिद लतीफ ने सुझाव दिया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भारत और पाकिस्तान को तब तक वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी का अधिकार नहीं देना चाहिए, जब तक दोनों अपनी समस्याएं नहीं सुलझा लेते। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर उनके पास अधिकार होता तो वह पाक को किसी भी टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ नहीं खेलने देते।

चैंपियंस ट्रॉफी पर विवाद

बीसीसीआई के अपनी टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक भेजने से इनकार करने पर अटकलें हैं कि पूरे टूर्नामेंट का आयोजन देश से बाहर हो सकता है। लतीफ ने खास बातचीत में कहा, ऐसी संभावना है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ क्रिकेट खेलना छोड़ सकता है। अगर मेरे पास अधिकार होता तो मैं शायद यह कड़ा कदम उठा लेता। मैं इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराऊंगा। अगर आप (पाकिस्तान में) नहीं खेलना चाहते तो फिर हमारे खिलाफ (बिलकुल भी) मत खेलिए। लतीफ ने कहा, मेरे नजरिए से आईसीसी को दोनों देशों के मेजबानी अधिकार तब तक रोक कर रखने चाहिए जब तक उनके बीच के मुद्दे सुलझ नहीं जाते, जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता। इसे पूर्व क्रिकेटर ने पाकिस्तान में भारतीय टीम की सुरक्षा चिंताओं के बारे में बीसीसीआई के रुख की आलोचना करते हुए कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने उनके देश का आकलन किया था।

शाहरुख खान फिर बनेंगे 'बाजीगर'

शाहरुख खान आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। पिछली बार फिल्म 'डंकी' में दिखे शाहरुख की अगली फिल्म का इंतजार उनके प्रशंसक बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे शाहरुख के प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, वह अपनी हिट फिल्म 'बाजीगर' के सीक्वल में नजर आ सकते हैं। खुद इस फिल्म के निर्माता रतन जैन ने इस राज से पर्दा हटाया है।

'बाजीगर' से छा गए थे शाहरुख

'बाजीगर' आज से 31 साल पहले साल 1993 में रिलीज हुई थी । इस फिल्म ने शाहरुख को 'किंग खान' बना दिया था। फिल्म में उन्होंने नकारात्मक भूमिका निभाई थी, लेकिन जबरदस्त ढंग से। अनिल कपूर से लेकर सलमान खान तक कई सितारों को इस फिल्म का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उनके इनकार के बाद शाहरुख फिल्म का हिस्सा बने और उन्होंने अपनी दमदार अदाकारी से फिल्म में ऐसे जान फूंक दी कि रातों-रात वह सुपरस्टार बन गए।

शाहरुख से चल रही बातचीत

निर्माता रतन जैन ने कहा, 'हम 'बाजीगर' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। यह फिल्म जरूर बनेगी। हम इसे लेकर शाहरुख से बातचीत करते रहते हैं। हालांकि, अभी तक कुछ खास नहीं हुआ है, लेकिन यह बनेगी जरूर।' बता दें कि 'बाजीगर' में शाहरुख लीड रोल में थे। काजोल और शिल्पा शेट्टी भी इस फिल्म का हिस्सा थीं। शिल्पा ने इसके जरिए हिंदी सिनेमा में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।

ऑस्कर पहुंचते ही बदला 'लापता लेडीज' का नाम

पिछले साल कई फिल्में रिलीज हुईं। कई बड़े बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी, वहीं कुछ छोटे बजट में बनी फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। साल 2023 में 'लापता लेडीज' नाम की भी एक फिल्म आई, जिसे भले ही सिनेमाघरों में दर्शक नसीब नहीं हुए, लेकिन OTT पर यह फिल्म इतनी पसंद की गई कि दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ऑस्कर की दावेदार बन गई। अब इस फिल्म का नाम बदल दिया गया है।

किरण राव के निर्देशन में बनी 'लापता लेडीज' साल 2025 के लिए भारत की तरफ से ऑस्कर की आधिकारिक एंट्री है। फिल्म के निर्माता आमिर खान और निर्देशक किरण ने ऑस्कर अवॉर्ड्स से पहले फिल्म को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर जमकर प्रचार करने का फैसला किया है। इसके लिए दोनों ने फिल्म का एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा किया है नए पोस्टर में फिल्म का नाम 'लापता लेडीज' से बदलकर 'लॉस्ट लेडीज' हो गया है।

आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडथ्या पर फिल्म का नया पोस्टर साझा किया है। उधर किरण ने भी प्रशंसकों को यह जानकारी दी है। पोस्ट में लिखा गया है, 'इंतजार खत्म हुआ। ये रहा फिल्म 'लॉस्ट लेडीज' का आधिकारिक पोस्टर। फूल और जया के सफर की एक झलक।' फिल्म में किया गया यह बदलाव सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पोस्टर तो वही है, बस लापता को अंग्रेजी में अनुवाद कर 'लॉस्ट' कर दिया गया है।

महेश बाबू लॉन्च करेंगे कुबेर का टीजर

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म 'कुबेर' इन दिनों काफी चर्चा में है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित 'कुबेर' में धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन पहली बार साथ में काम करते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म का टीजर जल्द ही रिलीज होने वाला है, जिसे लेकर निर्माताओं ने एक नई घोषणा की है, जिससे फैंस का उत्साह दोगुना हो चुका है।

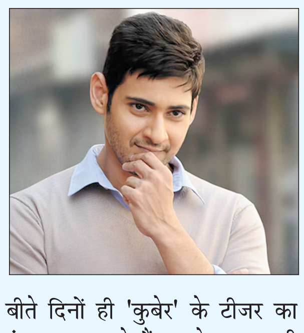

बीते दिनों ही 'कुबेर' के टीजर का इंतजार कर रहे फैंस को खुशखबरी देते हुए निर्माताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की थी कि टीजर 15 नवंबर, 2024 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन लॉन्च किया जाएगा। अब इस फिल्म को लेकर निर्माताओं ने एक नई जानकारी साझा की है। बुधवार को फिल्म के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्टर साझा करते हुए जानकारी दी गई है कि सुपरस्टार महेश बाबू इस फिल्म के टीजर को डिजिटली लॉन्च करेंगे। बीते दिवाली पर ही प्रशंसकों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए निर्माताओं ने इसकी घोषणा पोस्ट साझा करते हुए दी थी। इसके कैप्शन में लिखा था, 'शेखर कम्मुला की 'कुबेर' की ओर से आपको शानदार दिवाली की शुभकामनाएं। इंतजार लगभग खत्म हो गया है। 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर धमाकेदार कुबेर का टीजर देखें।'

विक्की कौशल की नई फिल्म 'महाअवतार' का ऐलान

अभिनेता विक्की कौशल सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनकी नई फिल्म 'महाअवतार' की घोषणा जो हो गई है। अभी तक केवल रिपोर्ट्स में यह बात सामने आ रही थी कि विक्की 'स्त्री 2' के निर्माता-निर्देशक दिनेश विजान और अमर कौशिक की अगली फिल्म में नजर आएंगे और अब इस फिल्म का ऐलान हो गया है। इसके नाम के साथ-साथ इससे विक्की की चिरंजीवी परशुराम के रूप में पहली झलक भी सामने आई है।

2026 में क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी फिल्म

विक्की की नई फिल्म का नाम 'महाअवतार' है। फिल्म से उनकी दमदार झलक भी सामने आ गई है और यकीनन आपने उनका ऐसा अवतार पहले कभी नहीं देखा होगा। मैडॉक फिल्म्स ने इसका ऐलान कर ट्वीट किया, 'दिनेश विजान ने धर्म के शाश्वत योद्धा की कहानी को जीवंत किया है। इसका निर्देशन अमर कौशिक कर रहे हैं। 'महाअवतार' में विक्की को चिरंजीवी परशुराम की भूमिका में देखा जाएगा। ये क्रिसमस के मौके पर साल 2026 में सिनेमाघरों में आएगी।'

निर्माता दिल राजू और आमिर खान के साथ आने की है चर्चा

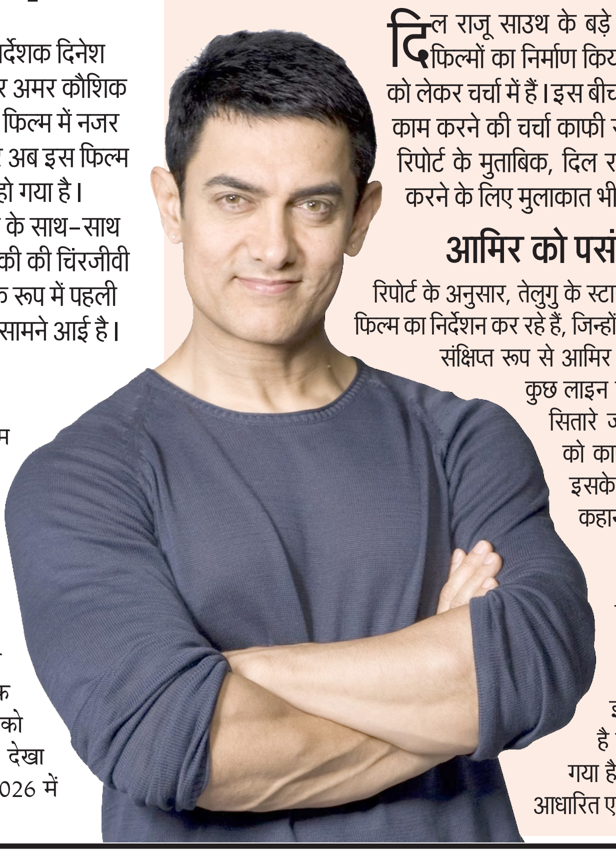

दिल राजू साउथ के बड़े निर्माताओं में से एक हैं। उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्माण किया है। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्हें और बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के साथ काम करने की चर्चा काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। 123 तेलुगु डॉट कॉम के एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल राजू ने आमिर खान से एक प्रोजेक्ट पर साथ काम करने के लिए मुलाकात भी की थी।

आमिर को पसंद आया था फिल्म का आइडिया

रिपोर्ट के अनुसार, तेलुगु के स्टार निर्देशक वामसी पैडिपल्ली इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जिन्होंने इस फिल्म की कहानी बेहद संक्षिप्त रूप से आमिर खान को सुनाई थी। महज कुछ लाइन में सुनाई गई इस स्टोरी ने सितारे जमीन पर अभिनेता आमिर को काफी उत्साहित कर दिया था। इसके बाद अभिनेता ने वामसी को पूरी कहानी विस्तार से सुनाने के लिए कहा था।

सामाजिक मुद्दे पर आधारित होगी फिल्म

इस रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि इसके लिए निर्देशक वामसी और दिल राजू जल्द ही आमिर खान से मुलाकात करने वाले हैं, जहां इस कहानी के विषय पर चर्चा भी की जाएगी। कहा जा रहा है कि उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्टिंग का काम पूरा कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म एक सामाजिक मुद्दे पर आधारित एक्शन ड्रामा होने वाली है।

कांटे की टक्कर

» दीपक पवार

दिग्रस विधानसभा सीट पर शिवसेना वर्सेज कांग्रेस

मानिकराव और संजय राठौड़ के बीच मुकाबला

दिग्रस विधानसभा सीट पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। दरअसल इस सीट को महाराष्ट्र की हॉट सीटों में गिना जा रहा है। इस सीट पर शिवसेना और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है।

दिग्रस विधानसभा सीट पर शिवसेना वर्सेज कांग्रेस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 20 नवंबर को मतदान होना है। इसके अलावा 23 नवंबर को चुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से एक सीट है दिग्रस विधानसभा सीट, जिसपर सभी निगाहें टिकी हुई हैं। दिग्रस विधानसभा सीट उन चुनिंदा विधानसभा सीटों में से एक है, जिसपर लोगों का ध्यान अटका पड़ा है। इस सीट से वर्तमान में शिवसेना उम्मीदवार संजय राठौड़ विधायक हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में संजय राठौड़ को 1,36,338 वोट मिले थे। इस दौरान एनसीपी के तारिक साहिर लोखंडवाला और निर्दलीय उम्मीदवार देशमुख संजय उत्तमराव को हार का सामना करना पड़ा था।

कौन हैं संजय राठौड़ ?

संजय दुलीचंद राठौड़ महाराष्ट्र के यवतमान जिले से शिवसेना के नेता है। वे दिग्रस-दरव्हा विधानसभा सीट से शिवसेना के विधायक हैं। साल 2014 में उन्होंने दिग्रस विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी। इस दौरान संजय राठौड़ को 1,21,216 वोट मिले थे। जबकि एनसीपी उम्मीदवार वसंतराव विश्वासराव घुईखेड़कर को 41,352 वोट मिले थे। इस दौरान संजय राठौड़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 79,864 वोटों के अंतर से हराया था। बता दें कि राठौड़ विदर्भ में शिवसेना के नेता हैं, जो यूबीटी सरकार में कैबिनेट मंत्री थे, लेगिन 2022 में वह एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के खेमें शामिल हो गए थे।

कौन हैं मानिकराव ठाकरे ?

मानिकराव गोविंदराव ठाकरे महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। इससे पहले वह 1985 से 2004 तक दारव्हा विधानसभा सीट से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य थे। बाद में उन्हें जनवरी 2003-2004 के दौरान उर्जा मंत्रालय का पोर्टफोलियों उन्हें दिया गया और जुलाई 2004 में वह महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे द्वारा मंत्री पद से हटाए गए 22 मंत्रियों में से एक थे। बता दें कि माणिकराव भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार के मुखर आलोचक रहे हैं।

दिग्रस विधानसभा सीट का इतिहास

साल 2014 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना के नेता संजय राठौड़ ने जीत दर्ज की थी। उन्हें 1,21,216 वोट मिले थे। वहीं एनसीपी के उम्मीदवार वसंत विश्वासराव घुईखेड़कर को 41,352 वोट मिले थे। इसके अलावा 2019 विधानसभा चुनाव में संजय राठौड़ को शिवसेना के उम्मीदवार संजय राठौड़ को 1,36,824 वोट मिले थे। वहीं निर्दलीय उम्मीदवार संजय देशमुख को 73,217 वोट मिले थे।

ईसाईयों के मन में क्या है ?

महाराष्ट्र चुनाव में किधर जाएंगे 10 लाख ईसाई वोट, क्या हैं उनके असली मुद्दे?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) और भाजपा महायुति गठबंधन दोनों ही एक-दूसरे पर ध्रुवीकरण के आरोप लगा रहे हैं। जहां MVA भाजपा और महायुति पर हिंदू ध्रुवीकरण का आरोप लगाता है, वहीं भाजपा महायुति MVA और कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का मुद्दा उठाती रही है। महाराष्ट्र की 11.5% मुस्लिम आबादी राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, लेकिन यह भी सच है कि मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने अकसर यह शिकायत की है कि उन्हें चुनावी भागीदारी से वंचित रखा जाता है और केवल उनके वोट की जरूरत समझी जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में ईसाई समुदाय, जो महाराष्ट्र में और विशेष रूप से मुंबई में एक छोटा किन्तु संगठित समूह है, इन चुनावों में अपनी स्थिति पर पुनर्विचार कर रहा है। महाराष्ट्र में ईसाइयों की जनसंख्या अपेक्षाकृत कम है, और चुनावों में उनका मुख्य उद्देश्य अपने मुद्दों को प्राथमिकता दिलाने का होता है, जैसे कि धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा। मुंबई में ईसाई समुदाय के नेताओं ने इस बार चुनाव में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए अपने समुदाय से आग्रह किया है कि वे मतदान अवश्य करें और 20 नवंबर के चुनाव में अपने हक का इस्तेमाल करें। इसका कारण यह भी है कि भले ही समुदाय का आकार छोटा हो, लेकिन एकता और सक्रिय मतदान के माध्यम से वे अपनी आवाज को बुलंद कर सकते हैं और राजनीतिक दलों का ध्यान अपने मुद्दों की ओर खींच सकते हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट

अमित बृज

ईसाइयों को धर्मांतरण-विरोधी कानूनों से शिकायत

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान ईसाई समुदाय में भी एक विशेष प्रकार की चिंता और सतर्कता का माहौल देखने को मिल रहा है। दो बजे दोपहर समाचारपत्र ने वरिष्ठ पादरियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, और युवाओं से बातचीत कर यह समझने की कोशिश की है कि इन चुनावों में ईसाइयों का रूझान और विचार क्या हैं। समस्त क्रिस्टी समाज नामक एनजीओ फेडरेशन के कोर ग्रुप के सदस्य सिरिल दारा ने समुदाय की ओर से अपनी चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि ईसाई धर्म से जुड़े लोगों को धर्मांतरण-विरोधी कानूनों के माध्यम से निशाना बनाया जा रहा है। सिरिल दारा के अनुसार, धर्मांतरण-विरोधी कानूनों ने एक ऐसा माहौल बना दिया है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के लिए अपने धर्म का प्रचार करना और धार्मिक शिक्षा साझा करना खतरनाक हो गया है। उन्होंने कहा कि चरमपंथी तत्व पादरियों पर झूठे आरोप लगाते हैं कि वे लोगों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में धर्मांतरण करवा रहे हैं या जबरन उन्हें यीशु का अनुयायी बना रहे हैं। अंधेरी में हाल ही में हुई एक घटना का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटनाओं से समुदाय के लोग भयभीत हैं और इस स्थिति में वे अपना मतदान करते समय सतर्क रहना चाहते हैं। इस प्रकार, ईसाई समुदाय में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है, और वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वे किसी ऐसे दल को समर्थन दें जो उनके अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा कर सके। इसके साथ ही, समुदाय के नेता अपने लोगों से आग्रह कर रहे हैं कि वे मतदान के दिन पीछे न हटें और अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं, ताकि उनकी आवाज़ को गंभीरता से लिया जा सके और उनकी चिंताओं को राजनीतिक मंचों पर स्थान मिले।

एमवीए के पक्ष में दिखा रहे हैं रुख?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान ईसाई समुदाय के सामने एक जटिल स्थिति उभर रही है, जहां आम जन-जीवन के मुद्दों के साथ-साथ धार्मिक स्वतंत्रता और कानूनों के दुरुपयोग का प्रश्न भी सामने है। समुदाय के प्रमुख नेताओं में से एक, आर्चडायोसिस से जुड़े बिशप ऑल्विन डी सिल्वा, इस बात पर जोर देते हैं कि वोट उन्हीं पार्टियों को देना चाहिए जो संविधान का सम्मान करती हैं। उनका मानना है कि समुदाय को अपने अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए सांप्रदायिक तनाव, आर्थिक असमानता, रोजगार की कमी, और धर्मांतरण विरोधी विधेयकों जैसे मुद्दों पर जागरूक होना चाहिए। सिरिल दारा का कहना है कि महाराष्ट्र में लगभग 10 लाख ईसाई वोटर हैं, जो राज्य की कुल आबादी का लगभग 1% हिस्सा हैं। यह संख्या भले ही चुनाव में निर्णायक न हो, परंतु समुदाय को आशंका है कि बढ़ती असहिष्णुता और कथित कानूनों के दुरुपयोग के चलते उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर असर पड़ सकता है। दारा के अनुसार, राजनीतिक दल ईसाइयों को अहमियत नहीं देते, लेकिन ईसाई समुदाय के लिए यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें लगता है कि यह चुनाव न केवल उनके रोजमर्रा के मुद्दों को प्रभावित करेगा, बल्कि उनके धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को भी चुनौती दे सकता है। इन चिंताओं के बीच समुदाय के नेता अपने सदस्यों से आग्रह कर रहे हैं कि वे मतदान करें और उन पार्टियों का समर्थन करें जो न केवल संविधान के प्रति निष्ठा रखती हैं बल्कि उनके अधिकारों और सांस्कृतिक स्वतंत्रता का भी सम्मान करती हैं। इस प्रकार, ईसाई समुदाय का रुख इस बार केवल अपने धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा की दिशा में है, जिसमें सामाजिक न्याय, आर्थिक स्थिरता और सांप्रदायिक सौहार्द भी शामिल हैं।

बीते जमाने को याद करके भी मायूस हो रहे हैं ईसाई नेता

महाराष्ट्रियन ईस्ट इंडियन क्रिश्चियन फेडरेशन के प्रेसिडेंट हर्बर्ट बैरेटो ने मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में 80 और 90 के दशक के समय को याद करते हुए बताया कि उस दौर में कोलाबा, बांद्रा, कुर्ला, कलिना, मीरा-भायंदर, और वसई जैसे क्षेत्रों में ईसाई समुदाय के कई विधायक हुआ करते थे। बैरेटो के अनुसार, उस समय ईसाई नेताओं का न केवल राजनीतिक मंच पर प्रभाव था, बल्कि समुदाय के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और सुलझाने का भी अवसर था। हालांकि, समय के साथ यह राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम होता गया है, और वर्तमान में इन क्षेत्रों में ईसाई समुदाय का राजनीतिक प्रभाव कमजोर पड़ा है। बैरेटो और अन्य समुदाय के नेताओं का मानना है कि अब ईसाई समुदाय को फिर से अपने अधिकारों और आवाज को मजबूत करने के लिए राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है।

कांग्रेस से नाखुशी भी जता रहे हैं समुदाय के लोग

हर्बर्ट बैरेटो और ठाणे के अन्य ईसाई नेताओं ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में ईसाई समुदाय को टिकट वितरण में नजरअंदाज किए जाने पर अपनी नाराज़गी व्यक्त की है। बैरेटो के अनुसार, कांग्रेस, एनसीपी, और शिवसेना के दोनों गुटों ने इस बार ईसाई समुदाय के नेताओं को टिकट देने में अनदेखी की है, जिससे समुदाय में नाराज़गी है। उनका कहना है कि कांग्रेस को लगता है कि ईसाई समुदाय के पास विकल्प नहीं है और वे स्वाभाविक रूप से कांग्रेस को ही वोट देंगे। वहीं, बीजेपी मानती है कि सभी ईसाई स्वाभाविक रूप से उनके विरोध में हैं, जबकि बैरेटो याद दिलाते हैं कि 2014 में कांग्रेस से निराश कई कैथोलिक मतदाताओं ने बीजेपी का समर्थन किया था। ठाणे के एक अन्य ईसाई नेता ने इस बात पर भी चिंता जताई कि कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची में ईसाई उम्मीदवारों की कमी है, जबकि कांग्रेस खुद को धर्मनिरपेक्षता और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करती है। इस बार, समुदाय के नेताओं का कहना है कि यह चुनाव उनके लिए अपनी चिंताओं को उठाने और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इन नेताओं का मानना है कि अगर राजनीतिक दल समुदाय की भावनाओं और उनकी चिंताओं को गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो ईसाई मतदाता वैकल्पिक राजनीतिक समर्थन के बारे में सोच सकते हैं। यह स्थिति महाराष्ट्र के चुनावी समीकरणों पर भी प्रभाव डाल सकती है, क्योंकि ईसाई समुदाय अब अपनी राजनीतिक पहचान और मुद्दों को लेकर अधिक जागरूक होता जा रहा है।

'अपनी अंतरात्मा के आधार पर वोट दें'

बॉम्बे आर्चडायोसिस के प्रवक्ता फादर निगेल बैरेट ने ईसाई समुदाय से आग्रह किया है कि वे अपने वोटिंग अधिकार का उपयोग करते हुए अपनी नागरिक जिम्मेदारी निभाएं। फादर बैरेट ने स्पष्ट किया कि चर्च किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार का समर्थन नहीं करता, बल्कि समुदाय के सदस्यों को यह सलाह देता है कि वे अपनी अंतरात्मा की आवाज़ के आधार पर मतदान करें और संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता, और बंधुत्व के मूल्यों को बनाए रखें। हालांकि, कुछ ईसाई नेता ऐसे भी हैं जो खुलकर वही मुद्दे उठा रहे हैं जो विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) के नेता बीजेपी और महायुति गठबंधन पर हमला करने के लिए उठा रहे हैं। इन नेताओं की चिंताओं में धार्मिक स्वतंत्रता पर खतरे, सांप्रदायिक तनाव, और धर्मांतरण-विरोधी कानूनों का दुरुपयोग शामिल हैं। ये नेता मानते हैं कि इन चुनावों में ईसाई समुदाय के लिए इन मुद्दों पर ध्यान देना ज़रूरी है, ताकि वे उस राजनीतिक दल को चुन सकें जो उनके अधिकारों और स्वतंत्रता की सुरक्षा करने के प्रति प्रतिबद्ध हो। चुनाव के इस माहौल में ईसाई समुदाय के मतदाताओं के सामने यह चुनौती है कि वे अपने धार्मिक और नागरिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ आर्थिक, सामाजिक, और सांप्रदायिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सही विकल्प का चयन करें।

सीट वॉर

मनसे के लिए आसान नहीं रास्ता

कल्याण ग्रामीण में राजेश मोरे की बन रही है हवा

सीट वॉर

धीरज सिंह

कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र, जो पहले से ही शिवसेना का एक मजबूत गढ़ माना जाता है, इस बार एक रोचक चुनावी मुकाबले का गवाह बन रहा है। यहाँ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ओर से राजू पाटिल उम्मीदवार हैं, और उनका अच्छा प्रभाव है, जिससे यह लड़ाई और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बन गई है। दूसरी ओर, शिवसेना ने राजेश मोरे को टिकट दिया है, जबकि उद्धव ठाकरे गुट से सुभाष भोईर भी मैदान में हैं। इस सीट का महत्व इस कारण और बढ़ गया है क्योंकि शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे का भी इस इलाके में खासा प्रभाव है। शिंदे परिवार की स्थानीय पकड़ और मनसे के बढ़ते प्रभाव से यह मुकाबला कठिन होता दिख रहा है। शिवसेना के गढ़ में इस तरह की प्रतिस्पर्धा निश्चित रूप से चुनावी नतीजों पर असर डाल सकती है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किसे समर्थन देती है।

राजेश मोरे की राजनीतिक यात्रा

राजेश मोरे की राजनीतिक यात्रा में विभिन्न दलों और महत्वपूर्ण पदों पर उनकी सेवा ने उन्हें एक अनुभवी और सशक्त नेता के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से की, जिसके बाद वे शिवसेना में शामिल हुए और शिवसेना के प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर कई कार्य किए। मोरे को उनके शांत स्वभाव और संगठन निर्माण में उनके कुशल कौशल के लिए जाना जाता है। डोंबिवली क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ है, जहाँ वे सदन के नेता और डोंबिवली शहर के प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियाँ निभा चुके हैं। कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले 31 वार्डों में उनका प्रभावशाली समर्थन उन्हें एक प्रमुख दावेदार बनाता है, जो शिवसेना के लिए फायदेमंद हो सकता है। मोरे का अनुभव और क्षेत्र में पकड़, चुनावी मुकाबले को और रोचक बना रही है, खासकर शिवसेना और मनसे के बीच की प्रतिस्पर्धा में।

मनसे की वर्तमान स्थिति

कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में आगामी चुनाव शिवसेना शिंदे गुट और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता ए. राजू पाटिल के बीच कड़ी टक्कर की संभावना को दिखाता है। पाटिल ने हाल ही में ₹कल्याण बदल रहा है₹ का स्लोगन पेश किया है, लेकिन इस बदलाव को लेकर स्थानीय जनता का मानना है कि महायुति सरकार के विकास कार्यों का ही इसमें प्रमुख योगदान है, न कि मनसे की पहल का। महायुति द्वारा किए गए विकास कार्यों में सीमेंट कंक्रीट की सड़कें, मेट्रो प्रणाली की स्थापना और नए अस्पतालों जैसे महत्वपूर्ण कदम शामिल हैं, जिनका असर जनता पर पड़ा है। इस वजह से, शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार राजेश मोरे को फिलहाल बढ़त मिलती दिख रही है। मोरे का संगठनात्मक कौशल, शांत स्वभाव, और डोंबिवली में मजबूत पकड़ उन्हें इस चुनाव में एक प्रमुख दावेदार बना रहे हैं। मनसे और शिंदे गुट के बीच की यह प्रतिस्पर्धा इस क्षेत्र के मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण शक्तियों में से एक होगी। विकास कार्यों, स्थानीय नेताओं द्वारा दिए गए अवसरों और साधारण कार्यकर्ताओं के पक्ष में खड़े होने से महायुति को इस बार कुछ ज्यादा समर्थन मिलने की संभावना है।

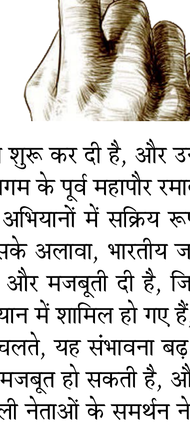

तीनों प्रमुख प्रत्याशी आगरी समुदाय से

कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में तीन प्रमुख प्रत्याशी—राजू पाटिल (मनसे), राजेश मोरे (शिवसेना शिंदे गुट) और सुभाष भोईर (शिवसेना शिंदे गुट)—आगरी समुदाय से हैं, जिससे आगरी वोटों में विभाजन की संभावना बन रही है। आगरी समुदाय के वोटों का बंटवारा इस चुनाव में महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि यह समुदाय इन तीनों प्रत्याशियों के बीच बंट सकता है, जिससे किसी एक को पूर्ण समर्थन मिलना कठिन हो सकता है। इसके अलावा, ओबीसी समुदाय की ओर से भाजपा का समर्थन मिलने के साथ-साथ मराठा और अन्य समुदाय शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजित पवार गुट का समर्थन कर रहे हैं। इस समीकरण के चलते, महायुति को क्षेत्र में एक मजबूत स्थिति मिल सकती है। महायुति की ओर से किए गए विकास कार्यों और विभिन्न समुदायों का समर्थन हासिल होने से यह संभावना जताई जा रही है कि महायुति के लिए इस सीट पर जीत हासिल करना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। इस तरह, आगरी वोटों का विभाजन, ओबीसी समुदाय का भाजपा के पक्ष में जाना और अन्य समुदायों का शिंदे गुट और अजित पवार गुट का समर्थन महायुति के लिए एक निर्णायक कारक साबित हो सकता है।

महायुति की ओर से विकास की पहल

हाल के वर्षों में महायुति ने डोंबिवली और कल्याण ग्रामीण क्षेत्रों में कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाया है, जिनका इन क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे और सेवाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रमुख विकास कार्यों में सीमेंट कंक्रीट की सड़कें बनाना, सड़क नेटवर्क का विस्तार, मेट्रो प्रणाली की स्थापना और नए अस्पतालों और प्रसूति गृहों का निर्माण शामिल हैं। इन पहलों ने स्थानीय नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की हैं, जिससे महायुति की लोकप्रियता में वृद्धि हुई है। श्रीकांत शिंदे, जो इस क्षेत्र के लोकसभा सदस्य हैं, ने इस इलाके को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नियंत्रण से मुक्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। महायुति ने अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए रोड शो, व्यक्तिगत बैठकें और पदाधिकारियों की सभाएं आयोजित की हैं, ताकि अधिक से अधिक समर्थन प्राप्त किया जा सके। खासतौर पर, दिवा क्षेत्र के मतदाता इस चुनावी क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उनकी राय चुनाव के परिणामों को प्रभावित कर सकती है। इन सभी प्रयासों से महायुति का यह उद्देश्य है कि वे इस क्षेत्र में अपनी पकड़ को और मजबूत करें।

शिवसेना शिंदे गुट की रणनीति

शिवसेना शिंदे गुट ने कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में जीत के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है, और उनकी रणनीतियों ने इस चुनावी क्षेत्र में स्थिति को मजबूत किया है। गुट ने ठाणे नगर निगम के पूर्व महापौर रमाकांत माधवी जैसे प्रभावशाली नेताओं की शिकायतों को दूर कर उन्हें अपने चुनावी अभियानों में सक्रिय रूप से शामिल किया है, जो स्थानीय राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इसके अलावा, भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) की सक्रिय उपस्थिति ने शिवसेना शिंदे गुट के अभियान को और मजबूती दी है, जिससे उनके पक्ष में समर्थन बढ़ा है। अजित पवार के गुट के सदस्य भी इस प्रचार अभियान में शामिल हो गए हैं, जो शिवसेना शिंदे गुट को और अधिक समर्थन प्रदान करते हैं। इन समीकरणों के चलते, यह संभावना बढ़ रही है कि कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना शिंदे गुट का प्रभाव और पकड़ मजबूत हो सकती है, और वे यह सीट अपने नियंत्रण में ले सकते हैं। इन रणनीतिक गठबंधनों और प्रभावशाली नेताओं के समर्थन ने गुट की स्थिति को और सशक्त बना दिया है।